





# ‘वोट चोर’ विवाद में कांग्रेसियों की जेल से रिहाई, स्वागत जुलूस में पुलिस से तकरार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पेतुक आवास पर कालिख पोतने के मामले में जेल भेजे गए छह कांग्रेसियों की रविवार को रिहाई हो गई। जिला जेल से बाहर आते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जुलूस निकालकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान नारेबाजी को लेकर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कई बार तकरार की स्थिति बनी। कुछ देर के लिए बहस और धक्का-मुक्की जैसे हालात भी नजर आए। रविवार सुबह कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या जिला जेल के बाहर जुटी थी। जैसे ही छह अभियुक्त जेल से बाहर आए, कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के रूप में आगे बढ़े। जुलूस में लगातार नारेबाजी



होती रही और पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। पुलिस ने जुलूस को नियंत्रित रखने और किसी तरह की अप्रिय स्थिति रोकने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान नारेबाजी को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते माहौल गर्म हो गया और कुछ समय के लिए पुलिस तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तकरार और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप

कर स्थिति को संभाला और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने दिया।शनिवार को मामले की सुनवाई सीजेएम अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने धारा 307 के आरोप को निराधार मानते हुए उसे हटाने का आदेश दिया। इसके बाद सभी छह अभियुक्तों की जमानत मंजूर कर दी गई। अदालत से जमानत मिलने के बाद रविवार को छहों कांग्रेसियों की जिला जेल से रिहाई हुई। जेल से बाहर आते ही समर्थकों ने उनका स्वागत किया और जुलूस निकालकर शहीद स्मारक तक

पहुंचे।

कांग्रेस नेताओं की रिहाई के बाद समर्थकों में उत्साह नजर आया। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए जुलूस के साथ आगे बढ़े। वहीं, पुलिस ने पूरे रास्ते सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी और स्थिति पर नजर रखी। नारेबाजी के बीच पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई तकरार ने कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण कर दिया।

पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को समझाकर स्थिति को सामान्य कराया। इसके बाद जुलूस शहीद स्मारक की ओर बढ़ गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। यह मामला मुख्य चुनाव आयुक्त के पेतुक आवास पर हुए प्रदर्शन और कालिख पोतने की घटना से जुड़ा है। अदालत द्वारा धारा 307 हटाए जाने और छह कांग्रेसियों को जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई ने मामले को एक बार फिर राजनीतिक रूप से चर्चा में ला दिया है।

### 11 किलो चरस के साथ दो युवक गिरफ्तार

आगरा। कमला नगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक बाहर से चरस की खेप लेकर आगरा में सप्लाई करने पहुंचे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 11 किलो चरस बरामद होने की जानकारी दी है। बरामद चरस की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस की कार्रवाई वाटर वर्क्स के पास की गई, जहां सदिग्ध गतिविधियों की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से मादक पदार्थ बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। शुरुआती जानकारी के आधार पर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चरस की खेप कहां से लाई गई थी और इसे आगरा में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब पूरे सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। पूछताछ के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही मादक पदार्थ की खेप उपलब्ध कराने वाले स्रोत और संभावित खरीदारों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस बरामद चरस की मात्रा और उसकी कीमत से संबंधित जानकारी को भी दस्तावेजों में दर्ज कर रही है। मामले में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

# उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

- सदस्यता अभियान और मंडल में नई शाखाओं के गठन पर बनी रणनीति
- मण्डल अधिवेशन की सफलता पर पारित हुआ धन्यवाद प्रस्ताव

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ आगरा की नई कार्यकारिणी की बैठक रविवार, 04 अक्टूबर 2026 को कैंप कार्यालय में सफलतापूर्वक आहूत की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता आर.के. गौतम ने की, जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय संयुक्त मंत्री बंशी बदन झा ने विशेष रूप से शिरकत की, और संचालन मंडल मंत्री उमाशंकर भारद्वाज द्वारा किया गया। बैठक के दौरान रेलवे कर्मचारियों के हितों और संगठन के विस्तार से जुड़े कई अहम मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसमें



गत 27 सितंबर को आयोजित हुए मंडल अधिवेशन के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए धन्यवाद प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान के तहत नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई गई। बैठक में आगरा छावनी रेलवे स्टेशन, मंडल प्रबंधक कार्यालय तथा लोकोपायलट लांबी पर संघ के फ्लैक्सी और बैनर लगाने के संबंध में रूपरेखा तैयार की गई, और कार्यकर्ताओं के वाहनों पर

यूनियन का लोगो लगाने तथा मंडल के अंतर्गत नई शाखाओं के गठन को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। इस बैठक में मंडल कोषाध्यक्ष उदय सिंह मीणा, मंडल उपाध्यक्ष कोमल सिंह, मंडल संगठन मंत्री राजेश कुमार शर्मा, संयुक्त मंडल मंत्री अभिषेक, डी.के. खन्ना, डी.के. शर्मा, योगेंद्र सिंह, श्रवण सिंह नरूका, अतुल भारद्वाज और नितिन शर्मा समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन ‘वंदे मातरम’ और ‘भारत माता की जय’ के उद्घोष के साथ हुआ।

एटा-कासगंज रेल लाइन शीघ्र पूरी हो

## एटा-आगरा फोर्ट ट्रेन का मथुरा तक विस्तार हो : विश्वकान्त मिश्रा

**प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल को ज्ञापन सौंपकर उठाई प्रमुख रेल मांगों**

**एत्मादपुर आगरा/एटा।** भारतीय किसान यूनियन (स्वतंत्र) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्वकान्त मिश्रा ने क्षेत्र की रेल सुविधाओं एवं जनहित से जुड़ी मांगों को लेकर केन्द्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में एटाझकासगंज रेल लाइन का निर्माण शीघ्र पूरा कराने, भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को लंबित मुआवजा दिलाने तथा



परियोजना की निश्चित समय-सीमा घोषित करने की मांग की गई। विश्वकान्त मिश्रा ने कहा कि वर्ष

2017 में स्वीकृत लगभग 29 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना अभी तक पूरी नहीं हो सकी है,

## शॉर्ट सर्किट से सचिवालय में लगी आग

**फतेहाबाद।** विकासखंड फतेहाबाद के गांव कृपालपुरा में शॉर्ट सर्किट से सचिवालय में आग लग गई।जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों ने आधा घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।लेकिन तब तक सचिवालय में रखा सामान जलकर राख हो गया।

ग्राम पंचायत पलिया कृपाल के प्रधान बंटी कुशवाह ने बताया कि कृपालपुरा में सचिवालय बना हुआ है। शनिवार की रात्रि 9:30 बजे के करीब शॉर्ट सर्किट के चलते पंचायत घर में आग लग गई तभी आग लगने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व पंचायत सहायक आकाश कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से करीब आधे घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक सचिवालय में रखा कंप्यूटर, प्रिंटर,एलईडी, कैमरा की डीबीआर तथा टेबल कुर्सी जलकर राख हो गई।



टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल रेल प्रबंधक, आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित रेलवे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगरा मंडल में वर्ष 2026 के वृक्षारोपण अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। मई से सितंबर 2026 तक आगरा मंडल में कुल 22,12,367 पौधों का रोपण किया जा चुका है।

आगरा मंडल के लिए वर्ष 2026 में 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष अब तक 22,12,367 पौधे लगाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 88.49 प्रतिशत है। लक्ष्य की तुलना में अब 2,87,633 पौधों का रोपण शेष है।

माहवार पौधारोपण जिसमें- मई 2026 में 4,338 पौधे, जून 2026 में 20,435 पौधे,जुलाई 2026 में

- आगरा मंडल में 495 हेक्टेयर रेलवे भूमि को हरित क्षेत्र में किया जा रहा विकसित

2,22,314 पौधे,

अगस्त 2026 में 9,29,407 पौधे व

सितंबर 2026 में 10,35,873 पौधे, कुल झ 22,12,367 पौधों का रोपण किया गया है '

वही सितंबर माह में ही आगरा मंडल में 10,35,873 ,पौधों का रोपण किया गया जिससे निर्धारित वार्षिक लक्ष्य की दिशा में अभियान को महत्वपूर्ण गति मिली है।

आगरा मंडल में रेलवे भूमि, रेल पटरियों के किनारे तथा रेलवे परिसरों में उपलब्ध खाली एवं उपयुक्त स्थानों पर पौधारोपण किया जा रहा है। अब तक मंडल में लगभग 495 हेक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण किया गया है।

आगरा कैट क्षेत्र में 1,20,627 पौधों का रोपण कर 27 हेक्टेयर क्षेत्र को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है।

वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित स्थलों का नियमित निरीक्षण कर पौधों की स्थिति की निगरानी की जा रही है, ताकि उनका समुचित संरक्षण एवं बेहतर विकास सुनिश्चित किया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह द्वारा इस वित्त वर्ष में 2 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इस वर्ष 1 करोड़ पौधों के रोपण का महत्वपूर्ण पड़ाव शीघ्र प्राप्त करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

# गौशालाओं को बनाएं आत्मनिर्भर

गोबर से कंपोस्ट और गो-दूधक तैयार कराएं: धर्मपाल सिंह

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- 1 सप्ताह में हाईवे व खेतों से पकड़े जाएं निराश्रित गोवंश, गोबर भूमि पर उगंगा हरा चारा

प्राथमिकता है। उन्होंने सभी बीडीओ, ईओ और पशुधन कल्याण अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, सड़कों और खेतों में घूम रहे समस्त निराश्रित गोवंश को पकड़वाकर गो आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाए। इसके साथ ही राजस्व विभाग के सहयोग से गोचर भूमियों को तत्काल कब्जा मुक्त कराकर वहां बीडीओ के माध्यम से हरा चारा उगाने के आदेश दिए। हरा चारा



आपूर्ति के लिए स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को तीन दिन के भीतर 4-5 स्थानीय किसानों के साथ अनुबंध (टडव) करने के निर्देश दिए गए।

500 ग्राम गुणवत्तापूर्ण पशु आहार और 10 किलो हरा चारा तय

मंत्री धर्मपाल सिंह ने गौशालाओं में संरक्षित प्रत्येक गोवंश के लिए

प्रतिदिन 10 किलो हरा चारा और 500 ग्राम इन्फ्र मार्का (2052-23) वाला ब्रांडेड पशु आहार देना अनिवार्य किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु आहार पर उत्पादन व अंतिम तिथि स्पष्ट लिखी होनी चाहिए। इसके अलावा, गौशालाओं में संपर्क मार्ग, नाली, बाउंड्रीवाल,

अतिरिक्त शेड, खड़्जा व चरही निर्माण के कार्य विधायक निधि,

क्षेत्र पंचायत निधि या 'बीबी-जी-राम जी' जैसी योजनाओं से तत्काल पूर्ण कराए जाएं।

गोबर से आत्मनिर्भर बनेंगी गौशालाएं, किसानों को सस्ती मिलेगी कंपोस्ट

गौशालाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए गोबर से कंपोस्ट खाद, दीपक और गो-काष्ठ बनाने के निर्देश दिए गए हैं। गोबर की कंपोस्ट खाद को 20-20 किलो के पैकेट में पैक कर किसानों को कम दाम में उपलब्ध कराया जाएगा। आगामी दीपावली त्योहार के दिष्टिगत अधिक से अधिक गो-दीपक तैयार करने के आदेश भी दिए गए।

नस्ल सुधार और शत-प्रतिशत

टीकाकरण पर जोर

मंत्री ने संचारी रोगों, लंपी स्किन डिजीज, एफएमडी (ऋऊ) और एचएएस (लू) जैसी बीमारियों के शत-प्रतिशत टीकाकरण, पशु बीमा, नर गोवंश के बधियाकरण तथा सीमन की गुणवत्ता पर ध्यान देकर नस्ल सुधार कार्यक्रम को गति देने के निर्देश दिए। साथ ही गौशालाओं में एनजीओ (ठक्कड़) के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में अपर निदेशक (ग्रेड-2) डॉ. देवेंद्र पाल सिंह, सीवीओ आगरा डॉ. डी.के. पांडेय, सीवीओ फिरोजाबाद डॉ. सोमेश गुप्ता तथा प्रभारी सीवीओ मैनपुरी डॉ. सऊद हसन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनहित सामाजिक सेवा संस्थान एवं फ्लाई इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में फतेहाबाद रोड स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में 'ग्रेंड डांडिया नाइट्स' का भव्य आयोजन किया गया। डांडिया की धुनों पर देर रात तक शहरवासी जमकर थिरके और कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों डॉ. हेमेंद्र पाठक, ऋषि कुमार और डॉ. रजनीश त्यागी ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और डांडिया नृत्य की शुरुआत हुई।

**विभिन्न श्रेणियों में दिए गए आकर्षक उपहार**

आयोजन से संस्था अध्यक्ष सरिता तिवारी, शुभम तिवारी, विख्यात त्रिपाठी, गीता शुक्ला, गुंजन शर्मा, मोनिका त्यागी, अनिल मंगोलिया, अवनीश गुप्ता, रचना पाठक, त्रयंबकेश्वर नाथ त्यागी, युविका शर्मा तथा कविता रजवानी सहित कई गणमान्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

**टीएनएफ टुडे** मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़ड़ा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

**संपादक: धीरज शर्मा**, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

| <div></div> <div>सम्पादकीय</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><b>संतों की निष्ठा पर सवाल और सोशल मीडिया का शोर: वृंदावन आश्रम की घटना का सच</b></p> <p>आज के इस अति-संवेदनशील और सूचनाओं की आंधी में दौड़ते समाज का एक सबसे बड़ा विचलित करने वाला सच यह है कि लोग अब किसी भी घटना की सत्यता की गहराई में जाने के बजाय तड़ित रफ़्तार से उंगली उठाने और चरित्रहनन करने को अपनी पहली प्राथमिकता बना चुके हैं। हाल ही में वृंदावन के प्रसिद्ध संत श्री प्रेमानंद महाराज जी के गुरु कृपा कुंज आश्रम से जुड़ी एक दुखद घटना को लेकर सोशल मीडिया और मुख्यधारा के एक वर्ग में जिस प्रकार का भ्रामक और सनसनीखेज माहौल बनाया गया, वह हमारी विकृत होती मानसिकता का जीता-जागता प्रमाण है। जो लोग कल तक महाराज जी के एक दर्शन के लिए व्याकुल रहते थे और उनके प्रवचन में आत्मिक शांति तलाशते थे, वे आज एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे को अंधाकर बनाकर सीधे संत की प्रतिष्ठा और उनके आश्रम पर अनर्गल प्रश्नचिह्न खड़े करने लगे हैं। घटना वृंदावन के उसी आश्रम की है जहाँ मध्य प्रदेश के जबलपुर से आए एक युवा शिष्य (दीपक लोधो जिन्हें रसिक दुलारी शरण के नाम से दीक्षा प्राप्त थी) ने किन्हीं असहनीय मानसिक या व्यक्तिगत कारणों के चलते चौथी मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस प्रशासन और फॉरेंसिक टीमों इस पूरे मामले की गहन वैज्ञानिक जांच कर रही हैं तथा सीसीटीवी फुटेज से लेकर हर पहलू को खंगाल रही हैं। किंतु विडंबना यह है कि पुलिस की जांच पूरी होने से पहले ही सोशल मीडिया के तथाकथित विचारकों और ट्वोलर्स ने इसे एक तमाशा बना डाला। जिस संत ने अपना पूरा शरीर और जीवन राधा नाम के स्मरण तथा समाज को सही दिशा देने में होम कर दिया, उन्हें कटघरे में खड़ा करने का ऐसा गंदा खेल खेला गया जो मानवीय संवेदनाओं का पतन दिखाता है।</p> <p>तथापी, इस प्रकार की ओछी और अवसरवादी प्रवृत्तियों से किसी उच्च कोटि के संत के तप पर कोई आंच नहीं आ सकती। यह समाज का दोहरा चरित्र ही है जो किसी व्यक्ति की बरसों की साधना को एक सेकंड में तार-तार करने के लिए आमादा रहता है, यह बिना सोचे कि एक आध्यात्मिक संस्था का किसी व्यक्तिगत या मानसिक घटना से क्या संबंध हो सकता है। संतों का दरबार कोई कारागार नहीं होता बल्कि वह शरणस्थली है जहाँ हर कोई अपनी इच्छा से आता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज इस भेड़चाल और कुंठा भरी मानसिकता से बाहर निकले। किसी भी घटना पर तुरंत कयास लगाने या पूर्वाग्रह से ग्रसित होने के बजाय कानून और निष्पक्ष जांच पर भरोसा रखना चाहिए। संतों और धर्मगुरुओं की गरिमा पर इस तरह कीचड़ उछालने की प्रवृत्ति न केवल हमारी संस्कृति के खिलाफ है, बल्कि यह उस बौद्धिक दिवालियापन को भी दर्शाती है जहाँ लोग संवेदना खो चुके हैं और तमाशा देखना चाहते हैं।</p> |

#### अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

जब द्रौपदी के एक छोटे से प्रश्न पर भगवान श्रीकृष्ण को रोकनी पड़ी थी अपनी द्वाकका की यात्रा

महाभारत ग्रंथ भारतीय सनातन संस्कृति का वह महाग्रंथ है जिसमें धर्म, कर्म, राजनीति और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के ऐसे-ऐसे अछूते और गहरे प्रसंग छिपे हैं, जो आम जनमानस के बीच बहुत कम सुने गए हैं। इस ग्रंथ के मुख्य कथा-प्रवाह से द्तर कुछ ऐसे सूक्ष्म और दार्शनिक लोक-प्रसंग भी प्रवाहित होते हैं जो मानव जीवन के सबसे बड़े रहस्यों को उजागर करते हैं। ऐसा ही एक अत्यंत मर्मस्पर्शी और अनसुना प्रसंग हस्तिनापुर के राजमहल से जुड़ा है, जब पाण्डवों के वनवास के समय भगवान श्रीकृष्ण अचानक हस्तिनापुर से द्वाकका लौटने की अपनी यात्रा बीच में ही रोककर वापस लौट आए थे।

घटना कौरवों की सभा और महाभारत युद्ध से कुछ वर्ष पूर्व की है जब पांडव अपना सर्वस्व जुग में हारकर दौपदी के साथ वनवास की कठिनाइयों से जुझ रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण जब भी समय पाते थे, वन में जाकर पांडवों और विशेषकर द्रौपदी की सुध लेते थे। एक बार जब श्रीकृष्ण द्वाकका लौटने के लिए अपने रथ पर सवार होने लगे, तो महारानी द्रौपदी उनके पास आईं। द्रौपदी की आँखों में आँसू थे और उनके मन में एक ऐसा गंभीर तथा बुभुता हुआ प्रश्न था, जो उन्होंने आज तक किसी से नहीं पूछा था। प्रसंग के अनुसार, द्रौपदी ने अत्यंत करुण किंतु दृढ़ स्वर में श्रीकृष्ण से कहा– ‘रहे द्वाककाधीश, आप इस सृष्टि के रचामी हैं, त्रैलोक्य के नाथ हैं और हम पांवों पांडव आपके अनन्य भक्त तथा सखा हैं। फिर ऐसा क्यों है कि जब भी हमारे जीवन में कोई विकट संकट आया, चाहे वह भरी सभा में चीरहरण का अपमान हो या बारह वर्ष का अज्ञातवास, आपने हमारी रक्षा तब तक नहीं की जब तक हम पूरी तरह अपमानित और असहाय नहीं हो गए? क्या आपको हमारे दुखों का अंत पहले करने में कोई संकोच होता है? दौपदी के उस प्रश्न में एक भक्त की वह वेदना छिपी थी जो ईश्वर के न्याय और समय पर सवाल उठाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने रथ की लगाम को थामा, रथ से नीचे उतरें और मुस्कुराते हुए द्रौपदी के पास आए। उन्होंने अत्यंत शांत और प्रेमापूर्ण भाव से उत्तर देते हुए जो रहस्य खोला, वह महाभारत के सबसे गहरे रहस्यों में से एक है। श्रीकृष्ण ने कहा– ‘रहे पांचाली, कर्म का यह विधान बहुत सूक्ष्म और कठोर होता है। जब तक कोई व्यक्ति अपने अहंकार, अपने बल या अन्य विकल्पों के भरोसे जीता रहता है, तब तक ईश्वर हस्तक्षेप नहीं करते क्योंकि वह मनुष्य की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। जिस क्षण द्रौपदी ने भरी सभा में अपने पतियों या अपने बल की आस छोड़कर दोनों हाथ ऊपर उठाकर पूरी तरह मुकुल पर सब कुछ छोड़ दिया, उसी क्षण मेरा चक्र चल पड़ा। ईश्वर देरी नहीं करते, वे केवल मनुष्य के पूर्ण समर्पण की प्रतीक्षा करते हैं।र यह सुनकर द्रौपदी निस्तब्ध रह गई। उन्हें यह समझ आ गया कि सहायता में देशी भगवान की उदासीलता नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के अहंकार को गलाकर उसे पूर्ण रूप से ईश्वर-मुख बनाने की एक दिव्य प्रक्रिया होती है।

| <div></div> <div>सितारों की चाल: आपका भविष्यफल</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><b>कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!</b></p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| <div></div> <p><b>शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल</b></p> <p>आज मेष मिथुन सिंह तुला वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन संकटमोचन हनुमान जी तथा मंगल ग्रह की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान जी को सिंदूर और चोला अर्पित करने तथा सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है।</p> |

# खेलो इंडिया खेलो: धरातल से वैश्विक परिदृश्य तक

#### ○ डॉ. दीपक गोरसामी

भारत के खेल की कहानी अब केवल पदकों की गिनती नहीं है। यह उस देश की कहानी है जो खेल को कभी पढ़ाई के बाद बचा समय मानता था, फिर उसे रोजगार का रास्ता समझने लगा और अब उसे राष्ट्रीय आत्मविश्वास, अनुशासन और वैश्विक पहचान का माध्यम मान रहा है। टोक्यो से हांगझोंग और नागोया तक भारतीय खेल ने कई उत्साहजनक पड़ाव देखे हैं। कभी ओलंपिक पदक का इंजागर चर्चा का विषय था, आज एशियाई और वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ी लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। लेकिन इसी प्रगति के बीच एक सवाल अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है—क्या हमारी खेल व्यवस्था उतनी ही मजबूत हुई है, जितनी हमारी प्रतिभा?

भारत में एक डिजिटल भारत है और दूसरा मैदान का भारत। पहला खेल को स्क्रीन पर देखता है, दूसरा उसे शरीर से जीता है। आज युवा के पास प्रशिक्षण की जानकारी, आधुनिक उपकरण, पोषण और खेल विज्ञान तक पहले से कहीं अधिक पहुँच है। यह परिवर्तन जरूरी है, लेकिन खेल की बुनियाद अब भी वही है—अभ्यास, अनुशासन और वर्षों तक टिके रहने की क्षमता। मंहेंगे जूते खिलाड़ी नहीं बनाते। तकनीक रास्ता दिखा सकती है, लेकिन उस रास्ते पर रोज चलना खिलाड़ी को ही पड़ता है। खेल का असली निर्माण वहीं होता है जहाँ सुबह का अँधेरा, पसीना, चोट, हार और फिर मैदान में लौटने की ज़िद होती है। नीरज चोपड़ा से अमन सहरावत तक और नई पीढ़ी की कुमकुम मोहोड़ से प्रनवी उर्स तक, भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ यही बताती हैं कि प्रतिभा किसी महानगर की संपत्ति नहीं है। वह गाँव, कस्बे, विद्यालय और छोटे मैदानों में भी उतनी ही ताकत से जन्म लेती है।

लेकिन इस बदलती तस्वीर का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय बेटियों का उभार है। लड़का खेल में उतरता है तो अक्सर सवाल होता है—कितना अच्छा खेलता है? लड़की उतरती है तो सवाल कई बार

#### ○ बृज खंडेलवाल द्वारा

आप अगर ऐसे शहर में जाएँ जहाँ साइकिलें, कार या अन्य वाहन यात्रियों से ज्यादा ताकतवर हों, तो क्या होगा? आप एम्स्टर्डम पहुँच जायेंगे। यहाँ साइकिलों में नेताओं जैसा आत्मविश्वास, एक्सप्रेस ट्रेन जैसी रफ्तार और राजाओं जैसा रास्ते पर अधिकार है। पर्यटक नहर देख सकता है, पुल की तस्वीर खींच सकता है और वान गैंग को याद कर सकता है। लेकिन गलती से साइकिल की पटरी पर पैर रख दिया, तो अगले ही पल वह डच आपात बैठक का विषय बन सकता है। चेतवानी आमतौर पर बस इतनी होती है। रिंग-रिंग। आवाज बड़ी शरीफ लगती है। मतलब बिल्कुल शरीफ नहीं होता। मतलब है, भाई साहब, हटिए। इस साइकिल को राजनयिक छूट मिली हुई है। फिर भी एम्स्टर्डम का एक शांत जादू है। यह धीरे-धीरे आपको अपना दीवाना बना लेता है। आसमान भी यहाँ बड़ा असमंजस में रहता है। एक पल बादल ऐसे धिरते हैं जैसे कोई माँ अपने बच्चे को लेकर जरूरत से ज्यादा चिंतित हो। अगले ही पल धूप निकलती है और नहरों, पुलों तथा ऊँचे, पतले मकानों पर सुनहरी रोशनी बिखेर देती है।

मौसम किसी उलझे हुए नेता की तरह बार-बार अपना रूख बदलता है। लेकिन नतीजा हमेशा खूबसूरत आता है। दिन में हमने एक प्यासा-सा डच गाँव भी देखा। वहाँ लकड़ी के जूते, जिन्हें क्लॉम्पेन कहा जाता है, बड़े गर्व से सजाए गए थे। पारंपरिक तरीके से पनीर बनते देखा और उस पुराने हॉलैंड की झलक मिली, जहाँ जिंदगी शायद आज से कुछ ज्यादा आराम से चलती थी। लेकिन एम्स्टर्डम सिर्फ लकड़ी के जूतों का शहर नहीं है। यह साइकिलों का शहर है।

साइकिलें हर जगह हैं। पुलों पर, नहरों के किनारे, दुकानों के बाहर और एक-दूसरे से



पहले ही बदल जाता है—कहाँ खेलेगी, किसके साथ खेलेगी, कितनी देर बाहर रहेगी और इससे आगे क्या मिलेगा? यही फर्क भारतीय महिला खिलाड़ी के संघर्ष को समझने की कुंजी है। एक बेटी को मैदान तक पहुँचने से पहले कई बार घर की सहमति जीतनी पड़ती है। उसे समय निकालना पड़ता है, घरेलू जिम्मेदारियों के बीच अभ्यास करना पड़ता है, सुरक्षित आने-जाने की चिंता झेलनी पड़ती है और कभी-कभी अपने पहनावे तक का जवाब देना पड़ता है। उसे यह भी साबित करना पड़ता है कि खेल उसके भविष्य के रास्ते को बंद नहीं करेगा, बल्कि खेल सकता है। उसकी लड़ाई केवल प्रतिद्वंद्वी से नहीं होती। वह मैदान में सेकंड, सेंटीमीटर और अंकों से मुकाबला करती है; घर और समाज में वह उन धारणाओं से लड़ती है जो अब भी लड़की के लिए खेल को गंभीर जीवन-चयन मानने में हिचकती हैं।

इसलिए जब कोई बेटी मैदान में उतरती है तो वह केवल खिलाड़ी नहीं बनती—वह एक पुरानी सामाजिक सीमा को चुनौती देती है। मीराबाई चानू, पी.वी. सिंधु, लवलीना बोरगोहेन और मनु भाकर जैसी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से आने वाली

# एम्स्टर्डम: जहाँ साइकिलें राज करती हैं, और नहरें इश्क लड़ाती हैं



इतनी सटाकर खड़ी कि लगता है रातों—रात इनकी आबादी बढ़ती है। साइकिल सवार चुपचाप निकलते हैं। न हॉर्न, न बहस, न गाली। बस घंटी। रिंग-रिंग। और फिर आगे रास्ते से गायब। यहाँ साइकिल सवार कोई परेशानी नहीं है। साइकिल सवार ही बॉस है। शहर में अलग साइकिल मार्ग हैं जहाँ कारें लगभग मेहमान होती हैं। मोटर चालक रास्ता देते हैं। पैदल चलने वाले सावधान रहते हैं। साइकिल सवार पुरे आत्मविश्वास से चलते हैं, जैसे उन्हें शहर भी मालूम है और अपने अधिकार भी। एम्स्टर्डम भारतीयों को एक मजेदार आईना दिखाता है। नीदरलैंड दुनिया के सबसे विकसित देशों में है, फिर भी यहाँ लोग खुशी-खुशी साइकिल चलाते हैं। भारत ने विकास के नाम पर साइकिल को पीछे छोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। साइकिल से स्कूटर। स्कूटर से मोटरसाइकिल। मोटरसाइकिल से एसयूवी। और जिस रफ्तार से हम चल रहे हैं, शायद एक दिन बेडरूम से ड्राइंग रूम तक जाने के लिए भी एसयूवी चाहिए होगी। एम्स्टर्डम धीरे से पुष्टता है: क्या विकास के लिए चार पहिए जरूरी हैं? शायद तरक्की यह समझने का नाम

भी है कि कब दो पहिए काफी हैं। यहाँ साइकिल चलाना शौक नहीं है। यह यातायात है, व्यवस्था है और पहचान भी है। शहर ने वहाँ लगाकर साइकिल मार्ग सुधारे हैं। लाल डामर, चौड़े रास्ते और शांत चौराहे इसका हिस्सा हैं। यहाँ साइकिल मेहमान नहीं है। मेजबान है। एम्स्टर्डम की दूसरी बड़ी प्रेम कहानी पानी के साथ है। डच लोगो ने इसी जगह शहर बनाया जहाँ पानी कभी भी कह सकता था, भाड़्यों, अब आप यहाँ से निकलो। लेकिन उन्होंने पानी से हार मानने से इनकार कर दिया। नीदरलैंड का बड़ा हिस्सा समुद्र तल के बराबर या उससे नीचे है। डच लोगों ने नहरें बनाईं, बाँध खड़े किए, पंप लगाए और इंजीनियरिंग को अपना हथियार बनाया। जिस पानी को खतरा समझा जा सकता था, वही शहर की जीवनधारा बन गया। कभी इन्हीं जलमार्गों से मसाले, लकड़ी और दौलत ढोई जाती थी। उसी संपन्नता ने नहरों के किनारे खूबसूरत मकान, संग्रहालय और भव्य इमारतें खड़ी कीं। आज इन्हीं नहरों में एक और चीज खूब बहती है। पर्यटकों। और काफी संख्या में। हमारी नहर यात्रा ने एम्स्टर्डम को उसके सबसे रोमांटिक

नियमित जीवन का हिस्सा बने। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित कोच और प्रतियोगिताएँ उपलब्ध हों। बेटियों के लिए प्रकाश, स्वच्छ शौचालय, सुरक्षित परिवहन और महिला प्रशिक्षकों जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित हों। खिलाड़ी को केवल प्रशिक्षण नहीं, पोषण, शिक्षा, चिकित्सा, मानसिक तैयारी और चोट के बाद वापसी की पूरी व्यवस्था मिले। और कोच को केवल नौकरी करने वाला व्यक्ति नहीं, प्रतिभा का पहला निमार्ता समझना होगा। वही तय करता है कि बच्चा पहली हार के बाद घर लौटेगा या अगली सुबह फिर मैदान में आएगा।

भारत को अब कुछ सितारों की सफलता पर तालियाँ बजाने से आगे बढ़ना होगा। वहाँ ऐसी खेल संस्कृति बनानी होगी जिसमें लाखों बच्चे खेल शुरू करें, प्रतिभाएँ पहचानी जाएँ और उन्हें वर्षों तक आगे बढ़ने का अवसर मिले। क्योंकि विश्वविजेता अचानक पैदा नहीं होता। वह किसी छोटे मैदान में पहली बार दौड़ता है। वहाँ पहली हार देखता है। वहाँ किसी गुरु की डॉट सुनता है। वहाँ गिरना और फिर उठना सीखता है। और संभव है कि अगली बार जब भारत का तिरंगा विश्व के किसी बड़े मंच पर सबसे ऊँचा उठे, तो उसके पीछे किसी महानगर की चमकदार अकादमी नहीं, किसी छोटे गाँव की धूल लगे।

इसलिए खेलो इंडिया खेलो केवल पदक जीतने का नारा नहीं होना चाहिए। यह हर बच्चे को मैदान और हर प्रतिभा को अवसर देने का राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए।

विशेषकर बेटियों के लिए— उन्हें खेलने की अनुमति नहीं, अवसर चाहिए। सुरक्षा के नाम पर सीमाएँ नहीं, सुरक्षित मैदान चाहिए। पदक के बाद सम्मान नहीं, पदक से पहले विश्वास चाहिए। क्योंकि जिस दिन किसी बेटी को खिलाड़ी बनने से पहले अपने सपने का बचाव नहीं करना पड़ेगा, उस दिन भारत केवल ज्यादा पदक नहीं जीतेगा—वह बेहतर खेल संस्कृति भी बनाएगा। पदक मंच पर मिलता है, लेकिन उसकी नींव धरती पर पड़ती है।

# सम्पादकीय

रूप में दिखाया। पानी चमक रहा था। सूरज बादलों के साथ आँख-मिचौली खेल रहा था। एक के बाद एक सुंदर पुल आते गए। पुराने मकान पानी में अपना प्रतिबिंब देखकर ऐसे झुक रहे थे, जैसे पूछ रहे हों, भाई, आज भी अच्छे लग रहे हैं न? उवाब था। बिल्कुल। और तभी आई बिरयानी। उस क्षण एम्स्टर्डम अचानक अपना-सा लगने लगा। हमारी दूर लौंडर मार्था समय की ऐसी रखवाली करती हैं जैसे स्कूल की प्रधानाचार्या सुबह की प्रार्थना सभा में बच्चों की। उनका प्यार भरा लेकिन स्पष्ट आदेश, चलो, चलो। हमारे कानों में लगातार गूँजता रहता है। और हमारे पंजाबी खानसामे ने भारतीय पर्यटकों की मनोशा को खुब समझ रखा है। पहले उन्हें यूरोप दिखाओ। लेकिन उससे पहले उन्हें खाना खिलाओ। मेन्चु शानदार था। बिरयानी। दही। समोसा। ब्राउनरी। अब और क्या चाहिए? समोसे ने कुरकुरापन दिया। बिरयानी ने भावनात्मक सहारा दिया। दही ने शांति स्थापित की। और ब्राउनरी ने साबित कर दिया कि भारत और यूरोप के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। यूरोप की कई दिनों की यात्रा के बाद भोजन भी पर्यटन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। एफिल टावर अच्छा है। बिग बेन ऐतिहासिक है। नहरें रोमांटिक हैं। लेकिन दोपहर दो बजे किसी भारतीय पर्यटक से पूछिए कि सबसे जरूरी चीज क्या है। जवाब आने की पूरी संभावना है: खाना कहीं मिलेगा? हमारे समूह का अपना संविधान बन चुका है। कहीं जाना है? कब निकलना है? किताबी दूर है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल—खाना कब मिलेगा? इन सवालों ने जितनी मानवता को जोड़ा है, उतनी कई अंतरराष्ट्रीय बैठकों ने भी नहीं जोड़ी होगी। धीरे-धीरे पर्यटकों का समूह एक अस्थायी परिवार बन जाता है। कोई तस्वीरें देख रहा है, कोई दुकान खोज रहा है, कोई अगले पड़ाव की चिंता कर

| दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात से बना सकेंगे। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| <div></div> <p><b>कर्क</b></p> <p>आज भूमि भवन या संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना मामला आपसी सहमति से सुलझने की पूरी संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी और बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपके परिवार में अखंड समृद्धि का वास होगा।</p> <p><b>सिंह</b></p> <p>आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम तथा नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय के नए स्रोत विकसित होने से आर्थिक पक्ष मजबूत</p> |

| दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।</p> <p><b>वृश्चिक</b></p> <p>आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।</p> <p><b>धनु</b></p> <p>आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वितीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को लाल फल का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त होंगे।</p> <p><b>मकर</b></p> <p>आज नैकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ</p> |

| दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।</p> <p><b>वृश्चिक</b></p> <p>आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।</p> <p><b>धनु</b></p> <p>आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पुराना धन अचानक वापस मिल सकता है। व्यापारियों को किसी नए बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अवसर मिलेगा। बंदरों को गुड़ और चना खिलाएं जिससे आपके व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त हों।</p> <p><b>तुला</b></p> |

| दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दंपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।</p> <p><b>वृश्चिक</b></p> <p>आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।</p> <p><b>धनु</b></p> <p>आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पुराना धन अचानक वापस मिल सकता है। व्यापारियों को किसी नए बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अवसर मिलेगा। बंदरों को गुड़ और चना खिलाएं जिससे आपके व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त हों।</p> <p><b>तुला</b></p> |

अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी समारोह का शुभारंभ

# विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद और साध्वी ऋतंभरा ने दी हुंकार

## अशोक सिंघल के जन्मशती वर्ष पर आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक अनुष्ठान

**वक्ताओं ने हिंदू समाज को एकजुट रहने और सनातन संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प**

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

ताजनगरी आगरा में श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत आयोजित रंगारंग और देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं और रामभक्तों को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक आदरणीय दिनेश चंद जी ने कहा



कि आगरा की इस पावन भूमि पर जन्मे अशोक सिंघल ने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म, हिंदू समाज और राष्ट्रसेवा के लिए होम कर दिया था। उनका पूरा जीवन त्याग, तपस्या, संघर्ष और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का एक अनूठा उदाहरण रहा है।

**श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में रहा अहम योगदान**

दिनेश चंद ने आगे कहा कि अशोक सिंघल ने विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से देश और दुनिया भर में बिखरे हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने, सनातन संस्कृति के संरक्षण और धर्म-जागरण के लिए आजीवन अथक प्रयास किए। ऐतिहासिक

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में भी उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अग्रणी रही थी। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके बताए मार्ग पर चलकर सनातन संस्कृति, हिंदू समाज की एकजुटता और राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे।



साध्वी ऋतंभरा का आह्वान— जाति-भेद मिटाकर स्वयं को सिर्फ हिंदू समझें

समारोह को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध साध्वी दीदी मां ऋतंभरा जी ने कड़े शब्दों में चेताया कि आज सुनियोजित षड्यंत्रों के तहत हिंदू समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में

सक्रिय कुछ आसुरी और विदेशी शक्तियां हिंदू समाज को जातियों के नाम पर बांटकर आपस में लड़वाने की साजिश रच रही हैं, जिनसे हर नागरिक को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

साध्वी ऋतंभरा ने जोर देकर कहा कि हिंदू समाज की असली ताकत उसकी अटूट एकता में है।

## खेत से मिट्टी उठाने को लेकर दो पक्षों में फायरिंग गोली लगने से एक किशोरी की मौत, चार घायल



○ **टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।**

थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव गद्दी धर्मजीत में खेत से मिट्टी उठाने का आरोप मना करने पर लाइसेंसी हथियारों से की ताबड़तोड़ फायरिंग गोली लगने से एक किशोरी की मौत हो गई चार घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों से 10 से 12 राउंड फायरिंग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव गद्दी धर्मजीत निवासी फूल सिंह पुत्र चंदन सिंह ने बताया कि घर के पीछे पशु बंधे थे तभी रविवार की शाम छोटे भाई अजमेर सिंह की पुत्रवधू पशुओं को लेने गई थी। अपने खेत में काम कर रहे गांव के ही रमेशचंद पुत्र चंद्रभान पक्ष



कहने लगा कि तुमने हमारे खेत से मिट्टी उठाकर मेड़ से लगा दी है। तभी मना करने पर गाली गलौज करने लगे विरोध करने पर भागकर अपने घर गए और लाइसेंसी राइफल व पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। वहीं किशोरी बूजेश के सिर में गोली लग गई, अजमेर सिंह के पीछे जितेंद्र के पेट में हरेदं के कंधा तथा भावना के सिर में छूकर गोली निकल गई। सभी लोग लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गए वहीं गोली चलने से गांव हड़कंप मचा गया। जहां सूचना पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने किशोरी बूजेश को मृत घोषित कर दिया। जितेंद्र ,हरेदं अजमेर का इलाज चल रहा

है।घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर एसीपी शमशाबाद राजीव रंजन सहित डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल फरिसिंक ,डॉंग स्ववायड की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल से बात करने पर बताया कि खेत में मिट्टी उठाने को लेकर दो पक्षों में कहासनी हुई थी जिसमें एक पक्ष के द्वारा लाइसेंसी राइफल व रिवाल्वर से फायरिंग की गई है जिसमें एक किशोरी की मौत हुई है चार लोग घायल हुए हैं जिसमें दो लोगों को मौके से पकड़ा है अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्जकर कार्यवाही की जाएगी।

## हर कदम में आनंद, हर ताल में उमंग और हर मुस्कान में अपनापन झलका



○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

झिलमिल रोशनी, रंग-बिरंगे परिधान और ताल से बंधा नृत्य, हर हृष्य जीवंत चित्रकला की तरह उतर आया था। कार्यक्रम में पहुंची महिला, युवतियां के स्वर जैसे ही गुंजे, डाँडिया की छड़ियां आपस में टकराकर ताल का नया संसार रचने लगीं। रविवार शाम 4 बजे अवधपुरी स्थित मंगलम वैकट हाल, अवधपुरी सौ फुटा रोड, बोदला आगरा में आयोजित गरबा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीजन 12 फेम एंड एक्टर सौरभ पटेल, समाजसेवी कुलदीप पाठक, एकता जैन, विशिष्ट अतिथि के रूप में जीनत जीशान, आशीर्वाद वैलफेयर सोसाइटी की संस्थापक तुषा शर्मा व पूजा चावला पहुंची।

माँ सरस्वती के चित्र पर द्वीप प्रचलित व माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया।कार्यक्रम में महिलाएं युवतियां रंग-बिरंगे घाघरे घूमते हुए घेरे बना रहे थे। जिन पर पड़ती रोशनी इंद्रधनुष सी झलक रही थी। ताल पर थिरकते कदम, डाँडिया की ठक-ठक और तालियों की गूंज ने ऐसा वातावरण बनाया, जिसमें हर कोई खिंचकर शामिल हो गया। गरबा के घेरे में

**■ आशीर्वाद वैलफेयर सोसाइटी द्वारा मंगलम बैंकट हॉल में किया गया गरबा कार्यक्रम का आयोजन**

घूमती कतारें, लहराते दुपट्टे और झूमते पांव एक अद्भुत लय का संगम रच रहे थे। संस्थापक तुषा शर्मा ने बताया उत्सव में केवल युवाओं का ही नहीं बड़ों का भी समान उत्साह दिखा। संस्था का परिवार एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हुए स्मृति बना रहे थे। हर कदम में आनंद, हर ताल में उमंग और हर मुस्कान में अपनापन झलक रहा था। जब संगीत और भक्ति साथ चलते हैं तो वह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक साधना बन जाते हैं। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। संचालन नीरज त्रिपाठी ने किया।तुषा शर्मा, पूजा चावला, भूमि अग्रवाल, अजय राजपूत, अनूप अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, राज कुमार उपाध्याय, डा. संगीता मल्होत्रा, अरविंद दुबे, अंकुर चौहान, नमिता अग्रवाल, रंजना अग्रवाल, प्रणव गोस्वामी, अतीत, माला कुमारी, रवेता चौहान आदि उपस्थित रहे।

## नौकर के लापता होने में फंसे भाजपा नेता, पांच पर एफआईआर

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

एल्माददौला थाना क्षेत्र में एक फार्म हाउस से करीब 19 साल से काम कर रहा नौकर रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। लापता नौकर की तलाश के दौरान उसका मोबाइल फोन और कपड़े यमुना किनारे मिलने से मामला और गहरा गया है। परिजनों ने उसके साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। मामले में लापता राजवीर के भतीजे जितेंद्र शर्मा की शिकायत पर भाजपा नेता रामवीर सिसोदिया समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बताया गया है कि राजवीर पिछले करीब 19 वर्षों से भाजपा नेता रामवीर सिसोदिया के फार्म हाउस पर नौकर के तौर पर काम कर रहा

था। वह लंबे समय से फार्म हाउस पर ही रहकर काम करता था। अचानक उसके लापता होने से परिवार के लोग परेशान हो गए। परिजनों के मुताबिक, 2 अक्टूबर को राजवीर के बारे में फोन करके उसके घर से चले जाने की जानकारी दी गई। इसके बाद जब परिजनों ने राजवीर से संपर्क करने का प्रयास किया तो उससे बात नहीं हो सकी। उसकी तलाश शुरू की गई तो कोई जानकारी नहीं मिली। मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब तलाश के दौरान राजवीर का मोबाइल फोन और कपड़े यमुना किनारे मिले। सामान मिलने के बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई। भतीजे जितेंद्र शर्मा ने राजवीर के अचानक गायब होने को सामान्य घटना नहीं मानते हुए उसे गायब किए जाने की आशंका जताई।

राजवीर के भतीजे जितेंद्र शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके चाचा को गायब किया गया है।

उसने पूरे मामले में भाजपा नेता रामवीर सिसोदिया समेत पांच लोगों पर शक जताते हुए कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रामवीर सिसोदिया समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि राजवीर के साथ वास्तव में क्या हुआ और वह कहाँ है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

राजवीर का लंबे समय से फार्म हाउस पर काम करना भी मामले को महत्वपूर्ण बना रहा है। करीब 19 साल से एक ही स्थान पर काम करने वाले व्यक्ति के अचानक

लापता होने और उसके कपड़े व मोबाइल यमुना किनारे मिलने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस अब फार्म हाउस पर मौजूद लोगों से पूछताछ करने के साथ राजवीर के मोबाइल फोन, उसके संपर्कों और 2 अक्टूबर को उसके साथ हुई गतिविधियों की जानकारी जुटा सकती है। यमुना किनारे उसका सामान किन परिस्थितियों में पहुंचा, इसकी भी जांच की जा रही है।

फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजवीर का पता लगाने और घटना की वास्तविक वजह सामने लाने के लिए पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि राजवीर के लापता होने के पीछे क्या परिस्थितियां थीं।

## पति-देवर को ले गई पुलिस, महिला ने जताई अनहोनी की आशंका

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

थाना जगदीशपुरा और बोदला चौकी क्षेत्र से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने पति दीपक उर्फ दीपू और देवर अतुल को पुलिस की कथित हिरासत से छुड़ाने की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि 2 अक्टूबर की रात कुछ पुलिसकर्मी उसके घर में पहुंचे और उसके पति व देवर के साथ मारपीट करते हुए दोनों को अपने साथ ले गए। हालांकि, मामले की जांच में सामने आया है कि दोनों के खिलाफ कार्रवाई आगरा पुलिस ने नहीं, बल्कि मथुरा पुलिस ने की

थी। महिला के मुताबिक, 2 अक्टूबर की रात पुलिसकर्मी उसके घर पहुंचे थे। आरोप है कि पुलिसकर्मीयों ने घर में घुसकर उसके पति दीपक उर्फ दीपू और देवर अतुल के साथ मारपीट की और दोनों को अपने साथ ले गए। इस दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने पुलिसकर्मीयों की कार्रवाई के वीडियो भी बनाए। महिला का कहना है कि घटना के बाद उसने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद जब उसने अपने पति और देवर के बारे में जानकारी करने का प्रयास किया तो दोनों का पता

नहीं चल सका। इससे वह परेशान हो गई और उसने आशंका जताई कि दोनों को किसी झूठे मुकदमे में फंसाया जा सकता है। शिकायत में महिला ने जुगनू नाम के व्यक्ति का भी जिक्र किया है। महिला ने पूर्व की एक घटना का हवाला देते हुए अपने पति और देवर के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। इसी आधार पर उसने पुलिस अधिकारियों से दोनों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने और उन्हें कथित हिरासत से छुड़ाने की मांग की है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि

दीपक उर्फ दीपू और अतुल को आगरा पुलिस ने हिरासत में नहीं लिया था। मथुरा पुलिस ने दोनों को आपराधिक मामलों में लिप्त होने के आरोप/रिकॉर्ड के आधार पर पकड़ा था। मथुरा पुलिस की कार्रवाई के बाद महिला द्वारा लगाए गए आरोपों और पुलिस की कार्रवाई को लेकर स्थिति अलग नजर आ रही है। जहां महिला ने घर में घुसकर मारपीट करते हुए दोनों को उठाकर ले जाने का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस पक्ष से दोनों के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों में सलिप्तता और उनके आपराधिक इतिहास का हवाला दिया गया है।

फिलहाल मामले में पुलिस कार्रवाई को लेकर लगाए गए आरोपों और दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। महिला की शिकायत के बाद पूरे घटनाक्रम को लेकर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि 2 अक्टूबर की रात हुई कार्रवाई की पूरी परिस्थितियां क्या थीं और महिला द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। थाना जगदीशपुरा और बोदला चौकी क्षेत्र से जुड़े इस मामले ने पुलिस कार्रवाई और आरोपियों के आपराधिक इतिहास को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

**बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर घायल**

**फतेहाबाद।** बाह–फतेहाबाद मार्ग पर शनिवार की शाम बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी इस दौरान घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार सकील निवासी शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद बाइक से जा रहे थे बाह–फतेहाबाद मार्ग पर पीतांबर दाबा के पास सकील की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हदसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर कर दिया गया है।पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

## क्षमावाणी पर्व पर जैन महासभा ने आयोजित किए कार्यक्रम

**65 यूनिट हुआ रक्तदान**

**■ चित्रकला प्रतियोगिता में 80 बच्चों ने चित्रों के जरिए दिया जैन धर्म व पर्यावरण संरक्षण का संदेश**

**■ साधारण सभा में महिला मंच के गठन और शिरोमणि व परम संरक्षक बनाए जाने का लिया गया संकल्प**

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

अग्रवाल दिगंबर जैन महासभा के तत्वावधान में कमला नगर स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन में दो दिवसीय वार्षिक 'क्षमावाणी पर्व' का भव्य शुभारंभ हुआ। पहले दिन रक्तदान शिविर, बाल चित्रकला प्रतियोगिता तथा महासभा की साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर और चित्रकला प्रतियोगिता महासभा के अध्यक्ष पारस जैन तथा महामंत्री संजय बाबू जैन ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन आयोजित रक्तदान शिविर



में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 65 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में 80 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धांतों और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर व प्रेरक संदेश दिया।

**साधारण सभा में कई महत्वपूर्ण संकल्प पारित**

प्रतियोगिताओं के उपरांत महासभा की साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई, जिसमें संस्था के वार्षिक लेखा-जोखा पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्था के लिए शीघ्र ही एक उपयुक्त

स्थान का चयन किया जाएगा। साथ ही, समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला मंच का गठन करने तथा संस्था में 'शिरोमणि संरक्षक' और 'परम संरक्षक' बनाए जाने का संकल्प लिया गया।

**दूसरे दिन होगा सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम**

कोषाध्यक्ष गर्ग विजय जैन ने बताया कि सोमवार को समारोह के दूसरे दिन सांस्कृतिक संध्या एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से होगी, जिसके बाद भक्ति नृत्य और नाटिका की प्रस्तुतियां होंगी। त्यागी वृत्ति सम्मान के अंतर्गत दशलक्षण पर्व के दौरान

निर्जला व्रत रखने वाले दसलाक्षणी, पुष्पांजलि, तेला और बेला व्रत के 10 श्रद्धालुओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा समाज के 70 वर्ष से अधिक आयु के 15 वरिष्ठ/वृद्धजनों तथा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, सीए और सीएस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन अजय जैन गर्ग ने किया। इस अवसर पर सुभाष चन्द जैन, धर्मेन्द्र जैन, मनोज जैन, अनन्त जैन, रवीन्द्र जैन, संजीव जैन, मुन्ना लाल जैन, दीपक जैन, जितेन्द्र जैन, सुरेश चन्द जैन, जयंती प्रसाद, अजीत प्रसाद, पावेंनाथ सहित जैन समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



**राम बारात से पहले जागा पीडब्ल्यूडी मुख्य बाजार की सड़क के गड्ढे भरने का काम शुरू**

**पिनाहट।** पिनाहट करबे में राम बारात महोत्सव को लेकर लोक निर्माण विभाग हरकत में आ गया है। विभाग ने गुरुवार को करबे के मुख्य बाजार मार्ग पर गड्ढे भरने का कार्य शुरू करा दिया।

बताया गया कि मुख्य बाजार मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से राहगीरों और दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। राम बारात में हजारों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना को देखते हुए व्यापार मंडल और स्थानीय लोगों ने सड़क की मरम्मत की मांग की थी।

मांग पर संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर गिट्टी और मिट्टी डालकर गड्ढों को भरने का काम किया। स्थानीय लोगों ने विभाग को इस पहल का स्वागत किया है, हालांकि लोगों का कहना है कि सिर्फ गड्ढे भरने से काम नहीं चलेगा, सड़क का स्थायी निर्माण कराया जाना चाहिए।

# जेल से रिहा कांग्रेसी नेता धनगर का स्वागत

गांधी और भगत सिंह की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास पर धरना-प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार किए गए मथुरा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मथुरा पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

धरना-प्रदर्शन के बाद आगरा जिला प्रशासन द्वारा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन महासचिव अनिल यादव, मनोज गौड़ पंकज चौधरी, राजा गौतम, विक्रम वाल्मीकि, उमेश शर्मा और करन सिंह निषाद राजेश धनगर सहित अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

मामले की न्यायालय में सुनवाई के दौरान गंभीर धाराओं को हटाए जाने के बाद मुकेश धनगर सहित



सभी कार्यकर्ताओं को जमानत मिल गई। जमानत के बाद आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश जनगणना बताया कि कांग्रेस

कार्यकर्ताओं को हाल ही में विरोध प्रसंग के दौरान भारत में लेकर आगरा जेल भेजा गया था रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और जनित



के मुद्दों को लेकर अपने संघर्ष की जीत बताया।

इसके बाद मथुरा पहुंचने पर जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुकेश धनगर सहित

सभी साथियों का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान एकजुटता का संदेश दिया।

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात

कांग्रेस कार्यकर्ता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पहुंचे और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उनके देश के प्रति योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वागत करने वालों में सर्वश्री कॉमरेड शिवदत्त चतुर्वेदी मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद अप्रतिम सक्सेना हाकिम सिंह छोकर आदित्य तिवारी नरेंद्र शर्मा रमेश कश्यप कीर्ति कौशिक आशीष अग्रवाल पुनीत बघेल प्रवीण ठाकुर विवेक धनगर संदीप हिंडोल बालवीर प्रधान अशोक निषाद के के गौतम राजेंद्र कुमार हाशिम हुमैर सेलू बघेल शाहिद आदि कांग्रेस जनों ने जोरदार स्वागत कर जमानत मिलने पर हर्ष व्यक्त किया।



**पुलिस ने खोजे 543 मोबाइल फोन, पुलिस लाइन सभागार में स्वामियों को सौंपे**

**मथुरा।** सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सर्विलांस सेल ने विभिन्न थाना क्षेत्र से गुम हुए 543 मोबाइल फोन पुलिस ने खोज निकाले। इनकी कुल कीमत लगभग 02 करोड़ रुपए है। बरामदगी के बाद मोबाइल उनके स्वामियों के सुपुर्द कर दिए। इस सम्बन्ध में रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध श्वेता यादव ने पत्रकारों को बताया कि जनपद के विभिन्न-विभिन्न थानों से 12 मई से 30 सितंबर के बीच गुम हुए मोबाइलों को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सर्विलांस सेल व थानों पर गठित सीईआईआर टीमों द्वारा जनपद के सीमावर्ती राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुये गुम हुए 543 मोबाईल फोन (कुल कीमत लगभग 02 करोड़ रुपए) बरामद किये गये। मोबाइल स्वामियों द्वारा मोबाइल फोन पाकर मथुरा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। थानावार मोबाइल बरामदगी का विवरण वृंदावन140, सूरुरीर11, गोवर्धन 72, महावन10, पर्यटन थाना 64,सदर बाजार10, कोतवाली 42, शेरागढ़ 08, कोसीकलां 39,मगोरां 07, जैत22, फरह 07, हाईवे 20, राया 06, छला 15, बरसाना 05, गोविन्दनगर 15,मांट 04, रिफाइनरी 15,नौहड्डील 04, बलदेव 14, साइबर थाना 01, जमुनापार12 शामिल हैं।

**पुलिस ने दबोचा हत्यारा**

**मथुरा।** थाना नौहड्डील पुलिस टीम ने हत्या के अभियोग में वांछित चल रहे अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने रविवार को समय करीब 10.05 बजे अभियुक्त के घर गांव मुडुलिया थाना नौहड्डील जनपद मथुरा से अभियुक्त धीरेन्द्र पुत्र जहान सिंह नि0 ग्राम मुडुलिया थाना नौहड्डील जनपद मथुरा उर कर्मीब 36 वर्ष को दबोच लिया। अभियुक्त सम्बन्धित मु0अ0स0 292/26 धारा 103(1)/351(3) बी0एन0एस0 की विधिक कार्यवाही को गई। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी अन्जोश कुमार सिंह, उ0नि0 हरन्द सिंह आदि शामिल थे।

**पुलिस की गाड़ी से होंडा सिटी कार टकराई, एक की मौत**  
**मथुरा।** यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना राया क्षेत्र में माइल स्टोन 107 पर पुलिस की गश्त गाड़ी और होंडा सिटी में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि पुलिसकर्मी सहित तीन घायल हो गए। दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। रविवार को यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना राया क्षेत्र में माइल स्टोन 107 के समीप पुलिस की गश्त कर रही गाड़ी की होंडा सिटी कार से भिड़त हो गई। टक्कर के बाद होंडा सिटी कार में भीषण आग लग गई। कार में भीषण लाइट देख एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई। सीओ मांट अमरनाथ यादव ने बताया की हादसे में कार में सवार दिल्ली के राजोरी गार्डन निवासी राघव की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन प्रतिभा घायल हो गई है। इसके अलावा पुलिस की गश्त की गाड़ी में सवार पुलिस कर्मी अनिल और चालक प्रताप सिंह घायल हो गए।

**बीएएमएस परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़ा गया छात्र, यूएफएम के तहत कार्रवाई**

**मथुरा।** महायोगी गुरु गोरखनाथ आश्रु विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की बीएएमएस प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं मथुरा के बीएसए (पीजी) कॉलेज में कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच आयोजित की जा रही हैं। इन परीक्षाओं में मथुरा के ओडीएम कॉलेज (राया), एसकेएस कॉलेज (छाता) और धन्वर्तरी कॉलेज (छाता) के छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। ये परीक्षाएं 28 सितंबर से 30 अक्टूबर तक चल रही हैं। शनिवार को परीक्षा संचालन के दौरान महाविद्यालय के पलाइंस स्वाद ने विभिन्न परीक्षा कक्षों का सघन निरीक्षण किया। तलाशी अभियान के दौरान ओडीएम कॉलेज राया का एक छात्र नकल की पर्ची के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। विश्वविद्यालय के नियमानुसार छात्र के खिलाफ अनुचित साधन (यूएफएम – यूएफएम) के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। बीएसए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने बताया कि परीक्षा की शुविता और पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के लिए केंद्र पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्राचार्य ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि किसी भी परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नकल या किसी भी अन्य प्रतिबन्धित सामग्री के साथ पकड़े जाने पर विश्वविद्यालय के नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस सघन निरीक्षण दल में डॉ. बबीता अग्रवाल, डॉ. शेफाली भार्गव, डॉ. रवीश शर्मा, डॉ. यूके त्रिपाठी, डॉ. बीके गोस्वामी प्राध्यापक शामिल रहे।

## अडींग पंचायत में बंट रही खैरात परासौली के चंद्र सरोवर पर स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

**करोड़ों के सरकारी धन से तैयार ऐसेटैस बगैर नीलामी के दिये जा रहे**

**एक साल से फ्री में दे रहा दो करोड़ लागत वाला स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स,अब रतन पार्क दिया**

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली गोरवर्धन क्षेत्र की ग्राम पंचायत अडींग में 10 यों करोड़ रुपए के सरकारी धन से तैयार बारातघर, आर ओ एटीएम, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, उत्सव केन्द्र, कैफिटेरिया कबाड़ हो रहे हैं लेकिन इन्हें खुली बोली के जरिए किसी को नहीं सौंपा गया है। प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद इन्हें सचिव और अफसर गुपचुप तरीके से चहेतों को दे रहे हैं। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों के सरकारी धन से तैयार ऐसेटैस खैरात की तरह दिए जा रहे हैं। एक साल से तीरंदाजी के लिए स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स दे रखा है। कोई लिखा पढ़ी या अनुबंध नहीं है। पंचायत को एक रुपया नहीं मिल रहा है। विश्वकर्मा काम्प्लेक्स की दुकानें बगैर नीलामी के उठा दी गईं। अभी रतन पार्क भी बगैर नीलामी की पारदर्शी प्रक्रिया को धता बता चुपचाप किसी को एक साल के



लिए दे दिया गया है।

इधर लोक आयुक्त द्वारा गठित मण्डलीय जांच दल ने बगैर भौतिक सत्यापन किए जांच रिपोर्ट लोक आयुक्त को भेज दी लेकिन शिकायतकर्ता को जांच की प्रति भी नहीं भेजी है। इसकी शिकायत भी शिकायत कर्ता अजीत सैनी ने लोक आयुक्त को कर दी है।

परिवादी का आरोप है मण्डलायुक्त आगरा के जन सूचना अधिकारी ने आरटीआई के तहत भी जांच रिपोर्ट नहीं भेजी है,पत्र में जांच रिपोर्ट भेजना लिख दिया है। इसकी अपील एडीशनल कमिश्नर आगरा को की है। जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच समिति ने भी गांव में किसी सी सी सड़क की

सेंपलिंग नहीं की है। हर सड़क में 6 की जगह 4 इंच गिट्टी ही डाली गई है। छह महीने में जांच अधिकारी एसडीएम छाता केवल एक दिन भौतिक सत्यापन को आये। उन्होंने गांव में किसी शिकायत कर्ता से संपर्क नहीं किया।

नकली एलईडी लाइट पर खर्च हुए 60 लाख व आर ओ एटीएम आदि की शिकायत मौके पर स्थानीय लोगों द्वारा दिये जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का आरोप है परफॉर्मेंस ग्रांट की निगरानी समिति के चेयरमैन डीएम हैं। इसलिए अफसर ही घपलों पर पर्दा डाल रहे हैं। पांच साल में हुए हर काम में व्यापक घपले हैं लेकिन कार्रवाई कोई नहीं हुई।

## परासौली के चंद्र सरोवर पर स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता सेवा के साथ दिया ‘स्वच्छ ब्रज’ का संदेश, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को किया जागरूक

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को स्वच्छ, सुंदर और संरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित ह्यब्रज वैभव अभियानह्म के अंतर्गत रविवार को सूर कुटीर चंद्र सरोवर, परासौली में स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर

निगम एवं हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में विभिन्न क्षेत्रों से आए स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर स्वच्छ ब्रज का संदेश दिया।

हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की प्रेरणा हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक पद्म भूषण कमलेश डी. पटेल के उस दृष्टिकोण से जुड़ी है, जिसमें

आंतरिक परिवर्तन के साथ समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

ब्रज वैभव अभियान के माध्यम से स्वच्छता, सेवा, जागरूकता और जनसहभागिता को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान का शुरुआत सुबह आठ बजे सामूहिक ध्यान से हुई। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से

स्वयंसेवकों ने चंद्र सरोवर एवं आसपास के क्षेत्रों में श्रमदान कर कचरा एकत्र किया और परिसर को सफाई की।

इस दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक करते हुए अपील की गई कि धार्मिक एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि

प्रत्येक नागरिक, दुकानदार, श्रद्धालु और तीर्थयात्री को सामूहिक जिम्मेदारी है।

स्वच्छता अभियान में मथुरा के साथ आगरा, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, इगलास (अलीगढ़), देहरादून सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हार्टफुलनेस के अपील की गई कि धार्मिक एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और ब्रजभूमि की सेवा में योगदान दिया।

### दो करोड़ रुपये कीमत के 543 गुम मोबाइल मथुरा पुलिस ने किए बरामद

**मथुरा।** जिले में गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मथुरा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सर्विलांस सेल और विभिन्न थानों पर गठित सीईआईआर टीमों ने पोर्टल की मदद से कुल 543 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन सभी बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ( अपराध) श्रीमती श्वेता यादव ने जानकारी दी कि 12 मई 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से मोबाइल गुम होने की शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। सर्विलांस सेल टीम प्रभारी विकास कुमार शर्मा और सीईआईआर टीमों ने आधुनिक तकनीकी माध्यमों और सीमावर्ती राज्यों की पुलिस के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर इन मोबाइलों को ट्रेस किया।

अभियान के दौरान जिले के थाना वृंदावन 140 मोबाइल, थाना गोवर्धन 72 मोबाइल, पर्यटन थाना 64 मोबाइल, कोतवाली 42 मोबाइल, कोसीकलां 39 मोबाइल, जैत 22 मोबाइल, हाईवे 20 मोबाइल, छाता व गोविंद नगर 15-15 मोबाइल, रिफाइनरी 15 मोबाइल, बलदेव 14 मोबाइल, जमुनापार 12 मोबाइल, सूरुरी 11 मोबाइल, महावन व सदर बाजार 10-10 मोबाइल, शेरागढ़ 8 मोबाइल, मगोरां व फरह 7-7 मोबाइल, राया 6 मोबाइल, बरसाना 5 मोबाइल, मांट व नौहड्डील 4-4 मोबाइल, साइबर थाना 1 मोबाइल बड़ी संख्या में फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, थाना स्तर से अब तक 311 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप जा चुके हैं।



सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पने लगे। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों का जमावड़ा लग गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को संभाला और आनन-फानन में इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हालाँकि, डॉक्टरों के भरपूर प्रयास के बावजूद दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान कुरकदा गांव

निवासी आंसू और सूरज के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। रिफाइनरी थाना प्रभारी अजय कौशल ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस दुर्घटना के सटीक कारणों और हाईवे पर बिना सुरक्षा मानकों के खड़े किए गए ट्रक की स्थिति की भी गहनता से जांच कर रही है।



# फुटवियर कारोबार में नए अवसरों और इनोवेशन का मंच बना ‘मीट एट आगरा’

दूसरे दिन उमड़े 8,126 विजिटर्स, सोमवार को होगा 18 वें संस्करण का आखरी दिन

बाइंग एजेंट्स और फैक्ट्री ओनर्स के बीच हुआ सीधा संवाद, उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया सम्मानित

**आगरा में फुटवियर इंडस्ट्री को मिल रहे नए तकनीकी महारथी: CFTI बना रहा हुनरमंद युवा**

‘मीट एट आगरा मेले के दौरान ‘सेंट्रल फुटवियर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट’ के प्रतिनिधि ह्रदेश ने संस्थान के कार्यों और उपलब्धियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। ह्रदेश ने बताया कि CFTI (सेंट्रल फुटवियर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट) का मुख्य उद्देश्य युवाओं को फुटवियर इंडस्ट्री की आधुनिक जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षित करना है। संस्थान में 4 महीने, 6 महीने, 1 साल, 1.5 साल और 2 साल की अवधि के अलग-अलग स्लेब्स में कोर्स संचालित किए जाते हैं। इन कोर्सों के दौरान छात्रों को कंप्यूटर डिजाइनिंग, मैनुअल डिजाइनिंग और प्रोडक्शन-लीनों की क्षेत्रों का गहन और व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तकनीकी रूप से इतना सक्षम बनाना है कि उन्हें इंडस्ट्री में बेहतरीन पदों पर रोजगार मिल सके। संस्थान के इतिहास और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि CFTI वर्ष 1963 से लगातार

इस क्षेत्र में कार्यरत है। संस्थान से हर साल लगभग 400 से 450 छात्र पास आउट होकर निकलते हैं। संस्थान अपने छात्रों को 100 लेसमेंट दिलाने की प्रतिबद्धता रखता है। उन्होंने आगे बताया कि CFTI की सबसे बड़ी खासियत यहीं की प्रैक्टिकल और टेक्निकल ट्रेनिंग है। यहाँ से निकलने वाले छात्र तकनीकी रूप से बेहद मजबूत होते हैं। छात्र मैनुअल डिजाइनिंग से शुरुआत करके चीफ डिजाइनर, प्रोडक्शन मैनेजर और जनरल मैनेजर जैसे उच्च पदों तक पहुँचते हैं। संस्थान फुटवियर इंडस्ट्री के सभी शीर्ष पदों के लिए कुशल और योग्य पेशेवरों को तैयार कर रहा है।

**आगरा और यूपी के एक्सपोर्टर्स की बल्ले-बल्ले**

इंडिया फैक्टरिंग के प्रतिनिधि पुनीत सिंह ने निर्यातकों के लिए अपनी विशेष योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंडिया फैक्टरिंग रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से अधिकृत एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है, जो विशेष रूप से एक्सपोर्ट फैक्टरिंग का काम करती है। पुनीत सिंह ने बताया कि उनकी कंपनी टरएफ सेक्टर के एक्सपोर्टर्स, विशेषकर आगरा और उत्तर प्रदेश के लेटर इंडस्ट्री, फुटवियर मैयूफैक्चर्स और हैंडीक्राफ्ट्स इंडस्ट्री के व्यापारियों को वर्किंग कैपिटल और रिस्क कवरेज में मदद करती है। निर्यातकों को अवसर विदेशी खरीदारों की तरफ से रिस्क कवरेज और लिक्विडिटी की समस्या का सामना करना पड़ता है। निर्यातकों को मिलने वाले फायदों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जब कोई एक्सपोर्टर माल का शिपमेंट कर देता है, तब कंपनी उन्हें फॉरिन करेंसी में फंडिंग प्रदान करती है। इसके साथ ही, यदि विदेशी बायर बैकएट (दिवालिया) हो जाता है या पेमेंट में डिफॉल्ट करता है, तो इंडिया फैक्टरिंग उसका 100 प्रतिशत रिस्क कवर करती है, जिससे एक्सपोर्टर पर कोई फाइनेंशियल बर्डन (वित्तीय बोझ) नहीं आता। इंडिया फैक्टरिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस प्रोडक्ट के तहत किसी भी प्रकार की प्रॉपर्टी या कोलैटरल (गारंटी) देने की जरूरत नहीं होती। कंपनी पूरे 90 देशों में अपनी सुविधाएं प्रदान कर रही है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि हाल ही में फैक्टरिंग प्रोडक्ट लेने वाले एक्सपोर्टर्स के लिए इंटररेस्ट सब्सेशन स्क्रीम भी चलाई गई है। इस योजना के तहत एक्सपोर्टर्स का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि कंपनी अपने सभी ग्राहकों से एक ही जगह पर मिल सकती है। अलग-अलग ग्राहकों के पास व्यक्तिगत रूप से जाने के बजाय एक ही मंच पर सभी से मुलाकात हो जाती है, जहाँ नए प्रॉडक्ट्स और व्यावसायिक विचारों पर चर्चा करना आसान हो जाता है। प्रदर्शनी में मिले रिस्पांस पर उन्होंने बताया कि शुरुआत में प्रतिक्रिया थोड़ी धीमी रही, लेकिन आने वाले दिनों में अच्छी संख्या में ग्राहकों और आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

**एक ही प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों से जुड़ने का बड़ा जरिया बनी एग्जीबिशन**

आगरा। आगरा में आयोजित औद्योगिक प्रदर्शनी के दौरान विकास ग्रुप (Vikas Group) के मार्केटिंग हेड अश्वनी सिक्का ने कंपनी के प्रॉडक्ट्स और बाजार में उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि विकास ग्रुप मुख्य रूप से टीपीआर (TPR) कंपाउंड्स, टीपीई (TPE) कंपाउंड्स, एफआर (FR) कंपाउंड्स का निर्माण करता है और हाल ही में कंपनी ने ईवीए (EVA) कंपाउंड्स भी लॉन्च किए हैं। अश्वनी सिक्का ने बताया कि उनकी कंपनी के प्रॉडक्ट्स की मुख्य विशेषता उच्च गुणवत्ता वाले टीपीआर और ईवीए कंपाउंड्स हैं। कंपनी के पास आगरा, कानपुर और पैन-एशिया (Pan-Asia) क्षेत्र में एक बड़ा ग्राहक वर्ग है। विशेष रूप से आगरा और कानपुर बेल्ट जो जुता उद्योग (Shoe Industry) के लिए प्रसिद्ध है, वहां विकास ग्रुप के प्रॉडक्ट्स की काफी मांग है। प्रदर्शनी और इस तरह की मीट (Meets) के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि कंपनी अपने सभी ग्राहकों से एक ही जगह पर मिल सकती है। अलग-अलग ग्राहकों के पास व्यक्तिगत रूप से जाने के बजाय एक ही मंच पर सभी से मुलाकात हो जाती है, जहाँ नए प्रॉडक्ट्स और व्यावसायिक विचारों पर चर्चा करना आसान हो जाता है। प्रदर्शनी में मिले रिस्पांस पर उन्होंने बताया कि शुरुआत में प्रतिक्रिया थोड़ी धीमी रही, लेकिन आने वाले दिनों में अच्छी संख्या में ग्राहकों और आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

आगरा। तकनीक, कारोबार और नए व्यावसायिक रिश्तों के संगम के साथ 18वें हामीट एट आगराह्व का दूसरा दिन फुटवियर उद्योग के लिए नई संभावनाओं से भरा रहा। आगरा ट्रेड सेंटर, सींगना में आयोजित फेयर में रविवार को 8,126 विजिटर्स ने सहभागिता की, जिनमें 3,749 पंजीकृत बिजनेस विजिटर्स और 576 भावी उद्यमी शामिल रहे। दिनभर विभिन्न स्टॉल्स पर नई मशीनरी, फुटवियर कंपोनेंट्स और मटेरियल्स को समझने के साथ बिजनेस इक्वायरी और कारोबारी संवाद का सिलसिला चलता रहा। बाइंग एजेंट्स और फैक्ट्री ओनर्स के बीच हुआ सीधा संवाद

फेयर के दूसरे दिन का प्रमुख आकर्षण बाइंग एजेंट्स और फैक्ट्री ओनर्स के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम रहा। इसमें फुटवियर उद्योग की बदलती जरूरतों, उत्पाद की गुणवत्ता, डिजाइन, सोर्सिंग, समयबद्ध आपूर्ति और बाजार की अपेक्षाओं को लेकर चर्चा हुई। निमाताओं और बाइंग एजेंट्स के बीच सीधे संवाद ने बाजार की मांग को समझने और उसके अनुरूप उत्पादन को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में आगरा के पूर्व जीएसटी कमिश्नर ललन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि सीफी के नेशनल प्रेसिडेंट इन्दर छाबड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ललन कुमार ने कहा कि तकनीक, गुणवत्ता और पारदर्शी कारोबारी व्यवस्था के साथ आगे बढ़ता फुटवियर उद्योग देश के औद्योगिक विकास और निर्यात में और बड़ी

**उद्योग की वास्तविक जरूरतों से तकनीक को जोड़ना हमारा लक्ष्य : गोपाल गुप्ता**

एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने कहा, "मीट एट आगरा का उद्देश्य नई तकनीक को केवल प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि उसे उद्योग की वास्तविक जरूरतों और कारोबार से जोड़ना है। बाइंग एजेंट्स और फैक्ट्री ओनर्स के बीच सीधा संवाद इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।" एफमेक कन्वीनर पूरन डावर ने कहा कि भारतीय फुटवियर उद्योग को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए तकनीक, गुणवत्ता, डिजाइन और बाजार की जरूरतों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। निमाता, सप्लायर, खरीदार और तकनीक प्रदाता का एक मंच पर आना उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। फेयर ऑर्गनाइजिंग कमेटी की चेयरमैन माला खेड़ा ने कहा कि दूसरे दिन बिजनेस विजिटर्स की उत्साहजनक भागीदारी और प्रदर्शकों के साथ हुए सीधे संवाद ने आयोजन को वास्तविक कारोबारी मंच के रूप में और मजबूती प्रदान की है।

**नई तकनीक और चाइना पवेलियन में दिखी विशेष रुचि**

दूसरे दिन बिजनेस विजिटर्स ने फुटवियर निर्माण में उपयोग होने वाली आधुनिक मशीनरी, नए मटेरियल्स, कंपोनेंट्स और उत्पादन तकनीकों में विशेष रुचि दिखाई। उद्यमियों ने प्रदर्शकों से सीधे संवाद कर तकनीकों की उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता, लागत और अपने उद्योग में उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी प्राप्त की। हॉल-इ स्थित चाइना पवेलियन भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। चीन से आए प्रदर्शकों द्वारा प्रदर्शित फुटवियर कंपोनेंट्स, मटेरियल्स और मशीनरी को भारतीय उद्यमियों ने करीब से समझा। दोनों देशों के कारोबारियों के बीच सोर्सिंग, तकनीकी सहयोग और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं को लेकर भी संवाद हुआ।

**फुटवियर की नई दुनिया से रूबरू होने का आज आखिरी मौका**

तीन दिवसीय 18वें 'मीट एट आगरा' का 5 अक्टूबर को अंतिम दिन होगा। आगरा ट्रेड सेंटर, सींगना में फेयर सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक विजिटर्स के लिए खुला रहेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राजीव वासन एवं राजेश सहगल, फेयर ऑर्गनाइजिंग कमेटी की चेयरमैन माला खेड़ा, महासचिव प्रदीप वासन, सचिव अनिरुद्ध तिवारी, कोषाध्यक्ष चंद्र मोहन सचदेवा, पूर्व अध्यक्ष कैप्टन एएस राणा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भूमिका निभा सकता है। इन्दर बाइंग एजेंट्स और बाजार के बीच छाबड़ा ने कहा कि निमाताओं, मजबूत समन्वय भारतीय फुटवियर

**दूसरे दिन के उत्साहजनक आंकड़े**

- कुल विजिटर्स – 8,126
- पंजीकृत बिजनेस विजिटर्स – 3,749
- भावी उद्यमी – 576

उद्योग को घरेलू एवं वैश्विक बाजार में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

**बाइंग एजेंट्स के साथ फैक्ट्री ओनर्स का भी हुआ सम्मान**

उद्योग और बाजार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में योगदान देने वाले बाइंग एजेंट्स को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इनमें एल.के. चाहर, रवीश पीपल, वरुण कोचर, संजीव तिवारी, दिव्यांशु मि्तल, दुलजीत सिंह, सचित कुमार, मुकेश गोस्वामी, मदन शर्मा, सौरव गौतम, वेद प्रकाश यादव, पंकज यादव, अविरल उपाध्याय, रिकी अग्रवाल, राजीव जैन, विकास कुमार, राजेश राणा, इफ्रान फरीदी, चंद्रवीर सिंह चौहान, पंकज सिंह और अनीत पचौरी शामिल रहे। इसी अवसर पर रजोगार के अवसर सृजन करने, रेवेन्यू जनरेट करने के साथ 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति देने, देश में मैयूफैक्चरिंग को मजबूत करने तथा निर्यात के माध्यम से भारत के निर्यात लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे फैक्ट्री ओनर्स को भी सम्मानित किया गया। आयोजन समिति ने उनके योगदान को भारतीय फुटवियर उद्योग की उत्पादन एवं निर्यात क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

**तिरुपति ट्रेडर्स दे रहा बेहतरीन क्वालिटी**

एग्जीबिशन के दौरान तिरुपति ट्रेडर्स के प्रतिनिधि गौरव शर्मा ने कंपनी के फुटवियर प्रोडक्ट्स और उनकी खासियत के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तिरुपति ट्रेडर्स विशेष रूप से फुटवियर कंपोनेंट्स में डील करती है, जिसमें लेडीज और जेंट्स दोनों के फुटवियर के लिए उपयोग होने वाली रबर सोल शीट्स शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी फिनलैंड से इंपोर्ट की गई हाई-क्वालिटी सेल्युलोज इनसोल शीट्स भी प्रदान करती है। गौरव शर्मा ने कंपनी के अस्तित्व और अनुभव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि तिरुपति ट्रेडर्स एक भारतीय कंपनी है जो स्पेन और फिनलैंड से जरूरी मटीरियल्स इंपोर्ट करके फुटवियर इंडस्ट्री को सप्लाई करती है। कंपनी पिछले 12 सालों से आगरा में अपनी सेवाएं दे रही है, जबकि इसका हेड ऑफिस फिरोजाबाद में स्थित है, जो पिछले 30 सालों से इस इंडस्ट्री में लगातार काम कर रहा है।

**'मीट एट आगरा' में प्राची लेदर्स का जलवा**

आगरा में आयोजित 'मीट एट आगरा' औद्योगिक प्रदर्शनी के दौरान 'प्राची लेदर्स' (Prachi Leathers) के प्रतिनिधि ने अपनी कंपनी की विशेषताओं और लेटर उद्योग में आ रहे बदलावों पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्राची लेदर्स उत्तर भारत की सबसे आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त टैनरीज में से एक है। कंपनी की सबसे बड़ी उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्राची लेदर्स एक 'एलडब्ल्यूजी गोल्ड' (LWG Gold) रेटेड टैनरी है। लेटर इंडस्ट्री में एलडब्ल्यूजी रेटिंग को बेहद प्रतिष्ठित माना जाता है और पूरे भारत में केवल 10 से 12 टैनरीज ही ऐसी हैं जिन्हें यह गोल्ड रेटिंग प्राप्त है, जिनमें से प्राची लेदर्स भी एक है। 'मीट एट आगरा' जैसे आयोजनों के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि यद्यपि उनकी कंपनी आगरा की कई बड़ी फैक्ट्रियों के साथ पहले से काम कर रही है, फिर भी इस तरह की प्रदर्शनी व्यापार के लिए बेहद फायदेमंद साबित होती है। दैनिक दिनचर्या में जिन तकनीकों और नए ट्रेड्स से रूबरू होने का समय नहीं मिलता, इस मंच के जरिए ये सब एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाते हैं। यहाँ नए लोगों से मिलने, आधुनिक तकनीक को समझने और नए डिजाइन्स के बारे में जानने का बेहतरीन अवसर मिलता है।

**ट्रेड फेयर से चमकेगा फुटवियर कारोबार, छोटे-बड़े सभी निमाताओं के लिए नए अवसर और कनेक्टिविटी का सशक्त माध्यम**

ताजानगरी में आयोजित 'मीट एट आगरा' फुटवियर ट्रेड फेयर के 18वें संस्करण में देशभर के जुता कारोबारियों और निमाताओं का उत्साह चरम पर है। पिछले 18 वर्षों से लगातार इस फेयर में भाग ले रहे प्रदर्शक संजय मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि यह आयोजन फुटवियर इंडस्ट्री के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी प्लेटफॉर्म साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नए बायर्स के लिए यह फेयर विशेष रूप से फायदेमंद है, क्योंकि उन्हें एक ही छत के नीचे बाजार में लॉन्च हो रहे नए प्रोडक्ट्स, मटेरियल्स और तकनीकों की विस्तृत जानकारी मिल जाती है। हर फैक्ट्री में जाकर अपने उत्पाद प्रदर्शित करना व्यावहारिक रूप से कठिन होता है, लेकिन ट्रेड फेयर के माध्यम से आगरा, कानपुर, पंजाब और उत्तरकनित पूरे देश के कारोबारी एक साथ जुड़ते हैं। कारोबारी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि हर बार नए ग्राहकों से जुड़ना और खड़े-मीठे अनुभवों के साथ बाजार की प्राथमिकताओं को समझना व्यवसाय को नई दिशा देता है। उन्होंने उद्योग के सभी छोटे-बड़े निमाताओं से इस फेयर में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की, ताकि भारतीय फुटवियर इंडस्ट्री को और अधिक ऊँचाइयों पर ले जाया जा सके।

**गुआंगझू की 'शाजिया' ने पेश किए फैशनेबल लेडीज शू-अपर और एक्सेसरीज**

अंतरराष्ट्रीय लेटर व फुटवियर प्रदर्शनी में विदेशी कंपनियों की मौजूदगी खास आकर्षण बनी हुई है। चीन के गुआंगझू शहर की प्रसिद्ध कंपनी 'शाजिया' (Guangzhou Shajia Company) ने इस फेयर के जरिए पहली बार भारत और आगरा के बाजार में कदम रखा है। कंपनी की प्रतिनिधि स्टेफी (Stephy) ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि वे भारत में पहली बार किसी प्रदर्शनी में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने अपनी स्टॉल पर विभिन्न साइजाइन्स, प्रीमियम मटीरियल और विभिन्न डिजाइन्स की एक्सेसरीज प्रदर्शित की हैं। प्रदर्शनी के दूसरे दिन अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए स्टेफी ने उम्मीद जताई कि इस आयोजन से उन्हें भारतीय बाजार में अच्छे बिजनेस पार्टनर और ग्राहक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटवियर उद्योग के साथ मिलकर काम करने और लंबे समय के व्यावसायिक संबंध बनाने के लिए यह मंच बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। स्टॉल पर लगातार पहुंच रहे स्थानीय और राष्ट्रीय खरीदारों के चलते चीनी कंपनी का यह पहला भारतीय अनुभव बेहद सकारात्मक दिख रहा है।

का निर्माण करता है और हाल ही में कंपनी ने ईवीए (EVA) कंपाउंड्स भी लॉन्च किए हैं। अश्वनी सिक्का ने बताया कि उनकी कंपनी के प्रॉडक्ट्स की मुख्य विशेषता उच्च गुणवत्ता वाले टीपीआर और ईवीए कंपाउंड्स हैं। कंपनी के पास आगरा, कानपुर और पैन-एशिया (Pan-Asia) क्षेत्र में एक बड़ा ग्राहक वर्ग है। विशेष रूप से आगरा और कानपुर बेल्ट जो जुता उद्योग (Shoe Industry) के लिए प्रसिद्ध है, वहां विकास ग्रुप के प्रॉडक्ट्स की काफी मांग है। प्रदर्शनी और इस तरह की मीट (Meets) के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि कंपनी अपने सभी ग्राहकों से एक ही जगह पर मिल सकती है। अलग-अलग ग्राहकों के पास व्यक्तिगत रूप से जाने के बजाय एक ही मंच पर सभी से मुलाकात हो जाती है, जहाँ नए प्रॉडक्ट्स और व्यावसायिक विचारों पर चर्चा करना आसान हो जाता है। प्रदर्शनी में मिले रिस्पांस पर उन्होंने बताया कि शुरुआत में प्रतिक्रिया थोड़ी धीमी रही, लेकिन आने वाले दिनों में अच्छी संख्या में ग्राहकों और आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

इको-फ्रेंडली फुटवियर से विदेशी जुता रहा भारत: बालाजी कॉर्क के सुरेश अग्रवाल ने पेश की मित्राल

प्रावर्णक संरक्षण और आरक्षण का बेहतरीन मौक: कॉर्क फुटवेड की बढ़ती मांग से उद्योग में नया उछाल

‘मीट एट आगरा मेले में इको-फ्रेंडली फुटवियर उत्पादों ने आगंतुकों और उद्योग जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इस अवसर पर बालाजी कॉर्क (Balaji Cork) के प्रतिनिधि सुरेश अग्रवाल ने अपने अनेकों और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। श्रेयस अग्रवाल ने बताया कि वे वर्ष 1967 से कॉर्क के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। पिछले 10 वर्षों से उनकी कंपनी कॉर्क फुटवेड का निर्माण कर रही है। उनके इस नवाचार से देश के भीतर ही उच्च गुणवत्ता वाले फुटवेयर्स तैयार हो रहे हैं, जिससे विदेशी मुद्रा की भारी बचत हो रही है। उत्पाद की कीमत और गुणवत्ता की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि जर्मन कंपनियां इसी कॉर्क फुटवेड को 7,000 से 8,000 रुपये तक की भारी-भरकम कीमत में बेचती हैं। वहीं, उनका यह स्वदेशी उत्पाद मात्र 1,500 से 1,600 रुपये में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। विदेशी कंपनियों और उनके उत्पाद के दमनों में यह एक बहुत बड़ा अंतर है। इको-फ्रेंडली फुटवियर बनाने के विचार पर प्रकाश डालते हुए सुरेश अग्रवाल ने बताया कि इटली यात्रा के दौरान उन्होंने बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियों में इस तरह के फुटवेड बनते देखे थे। वहीं उन्होंने इस तकनीक का गहराई से अध्ययन किया और इसके बाद इटली से ही मोल्ड और आवश्यक सामग्रियां लाकर भारत में इसका निर्माण शुरू किया। इस फुटवियर की विशेषताओं के बारे में उन्होंने बताया कि यह उत्पाद ऑर्थोपेडिक लाभ देने वाला, बेहद आरामदायक, इको-फ्रेंडली और नेचुरल कॉर्क से निर्मित है। इसे बनाना आसान नहीं है और हर कोई इसे तैयार नहीं कर सकता। बाजार की प्रतिक्रिया पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार में इस उत्पाद को बहुत शानदार रिस्पांस मिल रहा है। देश में इसकी मांग इतनी अधिक है कि उत्पादन क्षमता से भी ज्यादा इसकी डिमांड बनी हुई है।

**गुआंगझू शहर से आई फैसी शू-अपर और फैशन एक्सेसरीज का जलवा**

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (ट्रेड फेयर) में विदेशी कंपनियों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में चीन के गुआंगझोंग प्रोविंस (गुआंगझू शहर) से आई एक प्रमुख मैयूफैक्चरिंग कंपनी ने अपने विशेष डेकोरेटिव और फैसी एक्सेसरीज का प्रदर्शन किया। कंपनी के प्रतिनिधि ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उनके ये सभी प्रोडक्ट्स विशेष रूप से फुटवियर (जुते), गारमेंट्स (कपड़े) और बैग्स को आकर्षित व फैशनेबल बनाने के लिए तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ये एक्सेसरीज जुतों के 'अपर' (वक्सीय) हिस्से को सजाने और सजावटी लुक देने में बेहद मददगार हैं। तैयार शू-अपर को जब सोल के साथ जोड़ा जाता है, तो एक बेहद स्टाइलिश और फैसी जुता बनकर तैयार होता है। प्रदर्शनी में आए भारतीय व्यापारियों और खरीदारों के बीच इन डेकोरेटिव एक्सेसरीज को लेकर खास उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि ये प्रोडक्ट्स जुतों और गारमेंट्स की गुणवत्ता और डिजाइन को वैश्विक मानकों के अनुरूप नया लुक देने का काम कर रहे हैं।



# आगरा में गूँजा ‘डियर हसबैंड’ का डंका

सच्ची घटना पर आधारित थ्रिलर फिल्म का हुआ ऐलान, टीम ने साझा किए शूटिंग के खौफनाक और रोमांचक अनुभव

अपहरण के खौफनाक सच से लेकर पर्दे के पीछे की अनकही कहानियों तक, छई कलाकारों की महफिल

**‘फिल्म बंधु’ संस्था के माध्यम से नए और स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स को काफी प्रोत्साहन**



हिंदी फीचर फिल्म ‘डियर हसबैंड’ की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म के निर्माता और अभिनेता रोहित राजावत ने मीडिया से बातचीत करते हुए फिल्म की कहानी, निर्माण और उत्तर प्रदेश में फिल्म निर्माण की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि फिल्म में वह ‘धीर कानुनगो/धीरू’ का किरदार निभा रहे हैं और साथ ही उन्होंने इस फिल्म का निर्माण भी किया है। रोहित राजावत ने बताया कि यह फिल्म अगस्त 2012 में आगरा से इटावा जाते समय घटी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है, जिसे सिनेमैटिक रूप दिया गया है। उन्होंने उस समय की तत्कालीन कानून-व्यवस्था और आज की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि 2012 के दौर में सुरक्षा स्थिति अलग थी, जबकि आज उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन की सक्रियता और सख्त कानून-व्यवस्था के कारण स्थिति में काफी सकारात्मक बदलाव आया है। फिल्म सब्सिडी और सरकारी सहयोग पर बात करते हुए रोहित ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की ‘फिल्म बंधु’ संस्था के माध्यम से नए और स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स को काफी प्रोत्साहन मिल रहा है।

**प्रतिभा के साथ-साथ लगन और जुनून ही सफलता की असली कुंजी**



कास्टिंग डायरेक्टर राहुल गौड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए फिल्म की कहानी के पीछे की असली वजह और अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। आगरा कॉलेज से पढ़े और मूल रूप से मैनपुरी के रहने वाले राहुल गौड़ ने बताया कि वह पिछले 18 वर्षों से मुंबई फिल्म उद्योग में सक्रिय हैं। फिल्म की कहानी के बारे में बड़ा खुलासा करते हुए उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनके साथ घटी एक वास्तविक और दर्दनाक घटना पर आधारित है। उन्होंने बताया कि एक बार जब वह मुंबई से दिल्ली फ्लाइट से आए और वहां से फिरोजाबाद जाने के लिए एक जनरल टैक्सी (बोलेरो/सुमो) में सवार हुए, तो हाइवे पर आगे जाकर टैक्सी सवार 6-7 हथियारबंद लोगों ने उनका अपहरण कर लिया था। इस खौफनाक और भावुक कर देने वाली घटना से वह सुरक्षित बाहर निकले, लेकिन उस समय की कानून-व्यवस्था और इस घटना के दर्द ने उन्हें इसे सिनेमाई रूप में ढालने के लिए प्रेरित किया। कास्टिंग की चुनौतियों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि कहानी की मांग के अनुसार सही और सटीक चेहरे चुनना एक कठिन कार्य होता है, जिसके लिए उन्होंने फ्रेशर्स और अनुभवी कलाकारों के ऑडिशन लेकर सही किरदारों का चयन किया। उन्होंने नए कलाकारों को सलाह दी कि प्रतिभा के साथ-साथ लगन और जुनून ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे सिनेमाघरों में जाकर इस फिल्म को सुपरहिट बनाएं और उनकी इस कोशिश का समर्थन करें।

● टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी आगरा के हीरा टॉकीज में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिंदी फीचर फिल्म ‘डियर हसबैंड’ का औपचारिक

ऐलान किया गया। यह फिल्म कास्टिंग डायरेक्टर राहुल गौड़ के साथ अगस्त 2012 में घटी एक वास्तविक अपहरण की घटना पर आधारित है। कार्यक्रम में फिल्म के निमाता व

अभिनेता रोहित राजावत, निर्देशक धर्मेन्द्र कुमार, फीमेल लीड पूर्णिमा शर्मा, कास्टिंग डायरेक्टर राहुल गौड़ तथा अभिनेता सतीश त्रिपाठी, विश्वजीत माझी और अजीत गोस्वामी

उपस्थित रहे। सभी कलाकारों और मेकर्स ने मीडिया से रूबरू होकर फिल्म की कहानी, शूटिंग के अनुभवों और इसके सामाजिक-सिनेमाई संदेश को साझा किया।

**थ्रिल, एक्शन, कॉमेडी, इमोशन और पति-पत्नी के रिश्ते की गहराई का संगम**



फिल्म के निर्देशक व अभिनेता धर्मेन्द्र कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए फिल्म के विभिन्न पहलुओं को साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म का निर्देशन करने के साथ-साथ उन्होंने इसमें ‘कसान’ नाम के एक नकारात्मक (नेगेटिव) किरदार को भी पर्दे पर निभाया है। फिल्म के सबसे पसंदीदा पहलू के बारे में बात करते हुए धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि उन्हें फिल्म में ‘रमन’ (हसबैंड) के किरदार का संघर्ष, उसकी जटिलता और उसकी चाहत सबसे बेहतरीन लगी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें दर्शकों को थ्रिल, एक्शन, कॉमेडी, इमोशन और पति-पत्नी के रिश्ते की गहराई एक साथ देखने को मिलेगी।

इंडस्ट्री में अपने 18 वर्षों के लंबे अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि इस फिल्म को जब वह बतौर दर्शक देखते हैं, तो इससे उत्पन्न होने वाली भावनाएँ और अहसास उनके लिए बेहद खास और अलग हैं। उन्होंने दर्शकों से अपील करते हुए कहा कि वे सिनेमाघरों में जाकर इस फिल्म को एक बार जरूर देखें, क्योंकि यह कहानी दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगी।

**सबसे खास बात इसकी कहानी और गहराई**

अभिनेता अजीत गोस्वामी ने मीडिया से फिल्म में अपनी भूमिका और इसके संदेश पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में वह ‘रमन’ नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो एक साधारण सा लड़का है। रमन का चरित्र एक असाधारण स्थिति में फंसने के बावजूद खुद को बाहर निकालता है, क्योंकि उसने किसी से किया हुआ वादा पूरा करना होता है और किसी तक पहुँचना होता है। अजीत गोस्वामी ने बताया कि इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी कहानी और इसका गहराई से जुड़ा संदेश है। फिल्म यह संदेश देती है कि यदि आपने किसी की जिम्मेदारी उठाई है या किसी से कोई वादा किया है, तो अपनी आखिरी सांस तक उसे निभाने का पूरा प्रयास करना चाहिए।

**काफी समय से एक अच्छी लव स्टोरी का था इंतजार**



हिंदी फीचर फिल्म ‘डियर हसबैंड’ की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म की फीमेल लीड पूर्णिमा शर्मा ने मीडिया से अपने किरदार और शूटिंग के अनुभव को लेकर चर्चा की। पूर्णिमा शर्मा ने बताया कि वह फिल्म में ‘सिया’ का किरदार निभा रही हैं, जो कि फिल्म की फीमेल लीड है। उन्होंने साझा किया कि वह काफी समय से एक अच्छी लव स्टोरी करना चाहती थीं और जब उन्होंने इस फिल्म की कहानी सुनी, तो उन्हें यह अपनी पसंद के हिसाब से बिल्कुल सही लगी। शूटिंग के अनुभव पर बात करते हुए पूर्णिमा ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद पूरी टीम बहुत सपोर्टिव थी। उन्होंने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम जनता का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से फिल्म की शूटिंग सुचारु रूप से पूरी हो सकी। फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म साल 2019 में की थी और उन्हें इस इंडस्ट्री में काम करते हुए लगभग 7 साल हो चुके हैं।

**विपरीत परिस्थितियों मेंभी सकारात्मक रहना सीखा**



अभिनेता विश्वजीत माझी ने मीडिया से फिल्म में अपने किरदार और सिनेमाई सफर के अनुभवों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि फिल्म में वह ‘गुल्लू’ का किरदार निभा रहे हैं, जो कहानी को आगे बढ़ाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और कहानी के मुख्य मोड़ व जटिलता उसी किरदार से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि फिल्म में तीन गुंडे मुख्य केंद्र में हैं, जिनमें से एक वह खुद हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पूरी टीम थिएटर पृष्ठभूमि से जुड़ी हुई है और क्रिएटिव संतुष्टि के लिए सभी दोस्तों ने मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया, लिखा और अभिनय किया है। फिल्म निर्माण की इस यात्रा ने उन्हें विपरीत परिस्थितियों और नकारात्मकता से भी सकारात्मक सीख लेकर आगे बढ़ना सिखाया है।

**बेहद नया और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा**



मूल रूप से गोरखपुर के रहने वाले सतीश त्रिपाठी ने बताया कि फिल्म में वह हाकपिल श्रीवास्तव नामक एक ईमानदार और जांबाज पुलिस इंस्पेक्टर का किरदार निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह उनकी पहली ऐसी हिंदी फीचर फिल्म है जिसमें वह इतने लंबे शेड्यूल तक शूटिंग का हिस्सा रहे और लांजिस्टिक्स व शूटिंग की चुनौतियों से रूबरू हुए। अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग गोंडा के मनकापुर स्थित टिकरी जंगल में हुई, जो अपने घने जंगलों, बिछुओं और सांभों के लिए जाना जाता है। उस अंधेरे और विषम परिस्थितियों वाले जंगल में शूटिंग करना उनके लिए एक बेहद नया और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। अपने करियर पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह पिछले 10-12 वर्षों से थिएटर और अभिनय से जुड़े हैं और मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए उन्हें 4 साल हो चुके हैं।

# तीसरे वनडे ने खोल दी पोल!

## वेस्टइंडीज सीरीज ने बताया- भारत को कहां सुधार की जरूरत

○ **एजेसी,मुंबई।**

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम कर ली। पहले दो मुकाबलों में टीम इंडिया ने जिस अंदाज में बड़े लक्ष्य का पीछा किया, उससे उसकी बल्लेबाजी की ताकत साफ दिखाई दी। लेकिन तीसरे वनडे में 351 रन बनाने के बावजूद पांच विकेट से हार ने कुछ सवाल भी खड़े कर दिए। वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में 352 रन बनाकर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया।

मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने भी टीम की दो कमजोरियों की ओर साफ इशारा किया। उन्होंने फील्डिंग में छह-सात कैच छूटने और डेथ ओवर की गेंदबाजी में रणनीति स्पष्ट नहीं होने की बात कही। ऐसे में आइए बताते हैं इस सीरीज से टीम इंडिया का एनालिसिस कैसा रहा और उसकी पांच मजबूत तथा पांच कमजोर कड़ियां कौन सी रही।

### पांच मजबूत कड़ियां

**1. कप्तानी के साथ गिल का बल्ला भी चला**

शुभमन गिल इस सीरीज में भारत के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने तीन मैचों में 334 रन बनाए और उनका औसत 167 रहा।

पहले वनडे में उन्होंने 110 रन बनाए, जबकि दूसरे मैच में 223 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में सिर्फ रन ही नहीं, बल्कि तेजी भी दिखाई दी। सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट 135.22 रहा। कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ इस तरह का प्रदर्शन टीम के लिए बड़ा सकारात्मक पक्ष रहा।

**2. मध्यक्रम में राहुल ने फिर दिखाई ताकत**

केएल राहुल ने सीरीज के दौरान मध्यक्रम में अपनी भूमिका को मजबूती दी। तीसरे वनडे में उन्होंने 129 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने 87 गेंदों में 10 चौके और छह छक्के लगाए। सीरीज के आंकड़ों में राहुल का यह प्रदर्शन खास रहा। बड़े लक्ष्य के दबाव में तेजी से रन बनाने और पारी को अंत तक ले जाने की उनकी क्षमता भारत के लिए अहम सकारात्मक पक्ष रही।

**3. रोहित-विराट ने टी टॉप ऑर्डर को मजबूती**

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने सीरीज में भारत के टॉप ऑर्डर को मजबूती दी। विराट ने पहले वनडे में 88 गेंदों पर 139 रन की शानदार पारी खेली। वहीं रोहित ने

दूसरे वनडे में 75 गेंदों पर 101 और तीसरे वनडे में 85 गेंदों पर 92 रन बनाए। यानी रोहित ने तीनों मैचों में 225 रन बनाए, जबकि विराट के खाते में 168 रन रहे। दोनों का स्ट्राइक रेट भी प्रभावशाली रहा, विराट ने 155.56 और रोहित ने 115.38 की दर से रन बनाए।

दूसरे वनडे में रोहित की तेज 101 रन की पारी ने भारत को 406 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने के लिए मजबूत शुरूआत दी। वहीं तीसरे वनडे में उनकी 92 रन की पारी ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ 137 रन की साझेदारी की नींव रखी। टॉप ऑर्डर के इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों की निरंतरता सीरीज में भारत की बड़ी मजबूती रही।

**4. कुलदीप ने गेंद से लगातार असर छोड़ा**

तीनों मैचों में कुलदीप यादव भारत के सबसे प्रभावी गेंदबाज रहे। उन्होंने सीरीज में सात विकेट लिए। पहले वनडे में 40 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में उन्होंने अपने 200 वनडे विकेट पूरे किए। जब वेस्टइंडीज के बल्लेबाज तेजी से रन बना रहे थे, तब बीच के ओवरों में कुलदीप ने भारत को विकेट दिलाने और रन गति रोकने का काम किया। सीरीज में सात

विकेट के साथ वह भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

5. गायकवाड़ ने मौके को भुनाया तीसरे वनडे में ऋतुराज गायकवाड़ को मिले मौके का उन्होंने फायदा उठाया। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ 137 रन की साझेदारी की और 69 गेंदों पर 57 रन बनाए। यह पारी इस मायने में महत्वपूर्ण रही कि भारत के टॉप ऑर्डर में विकल्प मौजूद हैं। सीरीज में उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां मिलीं और उन्होंने तीसरे मैच में पारी को संभालने का काम किया। तीन मैच में ऋतुराज ने 101 की औसत से 101 रन बनाए।

#### पांच कमजोर कड़ियां

**1. पावरप्ले में गेंदबाज दबाव नहीं बना सके**

सीरीज के तीनों मैचों में वेस्टइंडीज ने बड़े स्कोर बनाए— 295/7, 405/7 और 352/5। यानी भारत के गेंदबाजों के सामने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने लगातार रन बनाए। खासकर बल्लेबाजी के लिए मददगार परिस्थितियों में शुरूआती ओवरों में दबाव बनाने में भारतीय गेंदबाजों को परेशानी हुई। बड़े स्कोर के बावजूद भारत पहले दो मैच जीत गया क्योंकि उसकी बल्लेबाजी ने

इसकी भरपाई कर दी, लेकिन तीसरे मैच में यही कमजोरी निर्णायक बन गई।

**2. डेथ ओवर में योजना पर खुद कप्तान ने उठाए सवाल**

सबसे बड़ा सवाल डेथ बॉलिंग पर है। तीसरे मैच में भारत 351 रन बनाने के बावजूद लक्ष्य का बचाव नहीं कर सका। वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में इसे हासिल कर लिया। शुभमन गिल ने खुद कहा, 'हमें अपनी डेथ बॉलिंग पर काम करना होगा। हमें यह स्पष्ट नहीं है कि हम आक्रमण कर रहे हैं या बचाव।' यानी समस्या केवल रन लुटाने की नहीं, बल्कि डेथ ओवर में रणनीति की स्पष्टता की भी है।

**3. फील्डिंग में छह-सात कैच छूटना बड़ा संकेत**

गिल ने तीसरे वनडे के बाद बताया कि भारत ने करीब छह-सात कैच छोड़े। उनका कहना था, 'हमने करीब छह-सात कैच छोड़े। यह अच्छा संकेत नहीं है, खासकर विश्व कप से पहले।' 352 रन के सफल रन चेज में ऐसी गलतियां और भी महंगी साबित होती हैं। शाई होप अंत तक नाबाद रहे और 162 रन बनाए। ऐसे मुकाबलों में एक-दो मौके गंवाया भी मैच का रुख बदल सकता है।

साबित हुआ।

### सीरीज का सबसे बड़ा सबक क्या?

इस सीरीज में भारत की बल्लेबाजी ने दो बार गेंदबाजी की कमियों को ढक दिया। पहले मैच में 295 का लक्ष्य 41.4 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल हुआ और दूसरे मैच में 405 रन का लक्ष्य भी भारत ने सिर्फ 43.3 ओवर में हासिल कर लिया। लेकिन तीसरे मैच में जब 351 रन बनाने के बाद भी गेंदबाज लक्ष्य नहीं बचा सके, तो यह साफ हुआ कि बल्लेबाजी की मजबूती हर बार गेंदबाजी की कमी को नहीं ढक सकती। विश्व कप की तैयारी के लिहाज से यही इस सीरीज का सबसे बड़ा संदेश है कि रन बनाने की क्षमता मौजूद है, लेकिन बड़े स्कोर का ढाँचा व करने की क्षमता और बेहतर करनी होगी।

## नुसरत भरूचा: कैसा है अभिनेत्री का हाल? करीबी ने दी

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री नुसरत भरूचा हाल ही में बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री की रीढ़ की हड्डी फ्रैक्चर हो गई है। इससे उन्हें बैठने और खड़े होने में मुश्किल हो रही है। पहले उन्हें बाली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब मुंबई में उनका इलाज चल रहा है। उनकी सेहत को लेकर एक अपडेट आई है।

बाली में अभिनेत्री का इलाज चलने के बाद नुसरत को बीते कल एयर एंबुलेंस से मुंबई लाया गया है। यहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी टीम के मुताबिक अभिनेत्री की स्पाइन सर्जरी होनी है। अभिनेत्री को जब मुंबई लाया गया, तो उनके साथ उनकी मां, परिवार के सदस्य और उनके दोस्त नजर आए।

अमर उजाला से बातचीत में नुसरत के एक करीबी ने बताया, 'उनकी हालत में सुधार हो रहा है। मैं उनकी मां से भी टच में हूं और लगातार उनसे

फिलहाल, फिल्म में नुसरत के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका रोल एक पारंपरिक फोमले को-लीड तक सीमित नहीं होगा, बल्कि कहानी में उसकी अहम भूमिका होगी।

## जान्हवी का गाना देख यामी गौतम ने की अपील, बोली- मेरी तस्वीरों को एआई से बेहतर

हाल ही में जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर के गाने 'चुष्टमल्ले' के एक एआई वीडियो का मामला सुर्खियां बटोर रहा है। इस मामले में फ़िल्मी दुनिया के सितारे भी एआई के दुरुपयोग की जमकर आलोचना कर रहे हैं। इस पर अभिनेत्री यामी गौतम ने सोशल मीडिया के जरिए फैस से एक खास गुजारिश की है।

**यामी ने पोस्ट कर की अपील?**

अभिनेत्री यामी गौतम ने अपनी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ न करने की हिदायत दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, “कृपया सार्वजनिक कार्यक्रमों में ली गई मेरी तस्वीरों को एआई से रूपांतरित या बेहतर न बनाएं। कृपया तस्वीरों को उनके मूल रूप में ही उपयोग करें। किसी व्यक्ति की छवि या रूप को एआई का उपयोग करके उनकी जानकारी और सहमति के बिना रूपांतरित या हेरफेर नहीं किया जाना चाहिए। मेरे अनुरोध का सम्मान करने के लिए बहुत धन्यवाद।”

**'चुष्टमल्ले' का एआई वीडियो**

जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' के गाने 'चुष्टमल्ले' का एक एआई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो आपतिजनक है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद जूनियर एनटीआर ने नासजगी जाहिर की थी और कानूनी एक्शन लेने की बात कही थी।

**समर्थन में उतरे कई सितारे**

फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' के गाने 'चुष्टमल्ले' के एआई वीडियो के सामने आने के बाद से कई सेलेब्स ने इस पर अपनी आपत्ति जताई है। जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा ने इस वीडियो को बनाने वालों पर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। शनिवार को एनटीआर ने पोस्ट कर लिखा, “चिन्नीना, बेशर्म और बीमार मानसिकता वाला, 'चुष्टमल्ले' गाने के इस मोफ़र्ड वीडियो को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ मैं हर संभव कानूनी कार्यवाही करूंगा। मैं



उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ूंगा। मैं लोगों से अपील करता हूँ कि ऐसे कंटेंट को ना देखें, ना शेयर करें और ना ही उस पर प्रतिक्रिया दें। आज यह किसी और के साथ हुआ है, कल आपकी मां, बहन, पत्नी या बेटी भी इसका शिकार हो सकती है।”

**फ़िल्म 'देवरा' के बारे में**

फिल्म 'देवरा' 27 सितंबर 2024 को रिलीज हुई थी। फिल्म में जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म से जान्हवी ने साउथ में डेब्यू किया था। वहीं सैफ अली खान इस फिल्म में विलेन बने थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर सकी।

## राइज एंड फॉल सीजन 2: 'नागिन बदले पर आती है तो रूह कांप जाती है'; प्रियंका चाहर ने शहजाद पूनावाला को दी चेतावनी

रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल सीजन 2' में खूब झगमा और झगड़े देखने को मिल रहे हैं। शो में स्वरा भास्कर, तेज प्रताप यादव, शहजाद पूनावाला और 'नागिन' फेम प्रियंका चाहर चौधरी जैसे सेलेब्स नजर आए हैं। हाल ही में शहजाद और प्रियंका के बीच बहस देखने को मिली। इस दौरान प्रियंका ने ऐसी टिप्पणी कर दी कि सभी हंसने लगे।

**क्यों भिड़े शहजाद और प्रियंका चाहर?**

शो 'राइज एंड फॉल 2' का नया प्रोगेो सामने आया है। इसमें शहजाद पूनावाला एक प्रतिभागी से प्रियंका के लिए इशारा करते हुए कहते हैं, 'क्या खिलवा दिया इनको राज आने के हफ्ता'। इस पर प्रियंका चाहर कहती हैं, 'जो उनको भी पता है कि क्या खिलवा दिया'। शहजाद कहते हैं, 'नेवले और साप की लड़ाई में नेवला साप को खत्म कर देता है'।

**प्रियंका चाहर ने दिया शहजाद को जवाब**

शहजाद की बात का जवाब देते हुए प्रियंका चाहर ने कहा, 'वैसे नागिन जब बदला लेने पर आती है तो बात ही अलग होती है'। शहजाद हंसते हुए कहते हैं, 'नागिन के पास बस डायलॉग है। सिर्फ डायलॉग, डायलॉग और डायलॉग'। इस पर प्रियंकाचाहर कहती हैं, 'नागिन रिवेंज ऐसा लेती है ना कि रूह कांप जाती है सामने वाले की'। यह बोलते हुए प्रियंका यहां से हंसते हुए चली गईं। शुरूआत तीखी तकरार से हुई, मगर बाद में प्रियंका और शहजाद दोनों ही हंसने

यह देखकर तेज प्रताप हंसते नजर आए।

**कब और कहां देख सकते हैं शो?**

पोस्ट के साथ केषान लिखा है, 'नागिन और नेवला की फाइट में आप किसकी साइड हैं'? बता दें कि यह शो प्राइम वीडियो और एम एक्स प्लेयर पर प्रसारित



## मृणाल ठाकुर: 'मां ने मुझे बिगाड़ दिया'

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अभिनय के साथ-साथ अवसर अपने क्लासिक फैशन सेंस को लेकर भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें क्लासिक घड़ियों से बहुत प्यार है और यह प्यार उनको उनकी मां से मिला, जिन्हें वह क्लासिक लेडी कहती हैं।

**क्यों मां की अलमारी से घड़ियां चुराती थीं मृणाल?**

मृणाल ने बताया कि कई बार खास मौकों के लिए वह अपनी मां की अलमारी से उनकी घड़ियां चुरा लिया करती थीं। एनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी मां ने मुझे बिगाड़ दिया, क्योंकि वह हमेशा से एक क्लासिक महिला रही हैं। कई बार अपने सबसे खास मौकों के लिए मैं उनकी घड़ी चुरा लेती थी। दरअसल, अभिनेत्री वस्तु कुंज के डीएलएफ प्रोमेनेड में टिसॉट बुटीक के लॉन्च पर पहुंची थीं। वहां एक्ट्रेस ने कहा कि अब वह रेड-कार्पेट अपीयरेंस और फॉर्मल मीटिंग से लेकर डिनर तक अलग-अलग मौकों पर अपने कलेक्शन की घड़ियों को शामिल करने की योजना बना रही हैं।

**घड़ी को क्यों जरूरी मानती हैं मृणाल?**

मृणाल के लिए घड़ी सिर्फ समय देखने की चीज नहीं है। वह इसे एक जरूरी

एक्सेसरी मानती हैं, जो उनके व्यक्तित्व और पहचान को दिखाने में मदद करती है और उनके सादे स्टाइल को पूरा करती है। अभिनेत्री ने कहा, 'बिना घड़ी के आपका आउटफिट पूरा नहीं होता। यह उसमें मेरे कपड़े पहनने का तरीका देता है। यह बहुत सिम्पल, स्टाइलिश और साथ ही बहुत क्लासी भी है। अगर आपने मेरे कपड़े पहनने का तरीका देखा है, तो मैं हमेशा मिनिमल रहना पसंद करती हूँ, लेकिन चाहती हूँ कि मेरी एक्सेसरीज लोगों का ध्यान खींचें।'

**मृणाल को अलमारी में क्या रखना है पसंद?**

मृणाल ने आगे बताया, 'मैं ऐसी लड़की हूँ, जिसे अपनी अलमारी में क्लासिक चीजें रखना पसंद है।' उन्होंने अपनी जरूरी चीजों में सफेद शर्ट, नीली डेनिम, गोल्ड ईयररिंग्स या सांलिटेयर और एक क्लासिक घड़ी को शामिल किया। मृणाल फिलहाल 'पूजा मेरी जान' में नजर आ रही हैं। मृणाल के साथ फिल्म में हुमा कुरैशी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन नवजोत गुलाटी ने किया है। इस फिल्म को दिनेश विजान और अमर कौशिक ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को जी5 पर रिलीज हुई।